



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 22] नई दिल्ली, शनिवार, मई 29, 1976 (ज्येष्ठ 8, 1898)

No. 22] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 29, 1976 (JYAISTHA 8, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1976

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 अप्रैल 1976

शुद्धि-पत्र

सं० ए० 12025(ii)/1/75-प्रशा० III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 26 मार्च, 1976 के पैराग्राफ 2 को निकाल दिया गया है।

2. उक्त अधिसूचना के पैराग्राफ 3 की संख्या पैराग्राफ 2 हो जाएगी।

पी० एन० मुखर्जी

अवर सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

श्री जी० एन० लखनपाल, निरीक्षक, आयकर, अमृतसर को प्रवर्तन निदेशालय के जालंधर क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 31-3-1976 से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न के रूप में नियुक्त किया जाता है।

नूपेन बक्सी

उप-निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1976

प्रवर्तन निदेशालय

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1976

श्री ए० के० बज्जी को प्रवर्तन निदेशालय के जयपुर उप-क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 29-3-76 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न के रूप में नियुक्त किया जाता है।

एस० बी० जैन,

निदेशक

सं० ए०-19036/5/76-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा, श्री टी० एन० कपूर, पुलिस निरीक्षक, सी० आई० ए०-1 शाखा को प्रोन्नति पर दिनांक 31-3-76 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19036/6/76-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा, श्री होशियार सिंह, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, जयपुर शाखा को प्रोन्नति पर दिनांक 1-4-76

के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19036/7/76-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री आर० के० स्वाभीनायडू, निरीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (आधिक अपराध स्कंध) मद्रास को प्रोन्नति पर दिनांक 1-4-76 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 अप्रैल 1976

सं० ए-19036/8/76-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री केवल सिंह, पुलिस निरीक्षक, जम्मू शाखा को प्रोन्नति पर दिनांक 14-4-76 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 अप्रैल 1976

सं० ओ० टू० 114/73-ईस्ट—मेजर जगदीश राज ने आर्मी में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 24 मार्च 1976 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की प्रथम सिगनल बटालियन नई दिल्ली में सहायक कमान्डेंट के पद का कार्यभार छोड़ा।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 8 अप्रैल 1976

सं० ई०-16013(2)/3/76-प्रशा०-1—कनटिक राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर श्री जय-प्रकाश, आई० पी० एस० (कनटिक-1965) ने दिनांक 24 मार्च 76 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-32015(2)/4/75-प्रशा०-1—पुनर्नियुक्ति पर, राष्ट्रपति, ले० कर्नल मुकुट सिंह को दिनांक 30 मार्च 76 के

पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत उर्वरक निगम, सिन्दरी का कमांडेंट नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय सिन्दरी में होगा।

ली० सि० बिष्ट,
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 अप्रैल 1976

सं० 11/4/76-म० प० (प्रशा० 1)—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 11/7/75-म० प० (प्रशा०-1), दिनांक 8 सितम्बर, 1975 के अनुक्रम में, महाराष्ट्र में जनगणना निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक, श्री आर० ई० चौधरी को उसी कार्यालय में जनगणना कार्य के सहायक निदेशक के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 18 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से चार महीने की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री चौधरी का मुख्यालय बम्बई में ही रहेगा।

सं० 11/4/76-म० प० (प्रशा० 1)—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 11/7/75-म० प० (प्रशा० 1), तारीख 8 सितम्बर, 1975 के अनुक्रम में पश्चिम बंगाल में जनगणना निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक, श्री डी० पी० चटर्जी को उसी कार्यालय में जनगणना कार्य (तकनीकी) के सहायक निदेशक के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 19 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से चार महीने की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री चटर्जी का मुख्यालय कलकत्ता में ही रहेगा।

सं० 11/4/76-म० प० (प्रशा० 1)—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 11/7/75-म० प० (प्रशा० 1), तारीख 16 सितम्बर, 1975 के अनुक्रम में, जम्मू और कश्मीर, श्रीनगर में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक, श्री एच० एल० कल्ला की मध्य प्रदेश में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में जनगणना कार्य (तकनीकी) के सहायक निदेशक के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 1 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से चार महीने की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री कल्ला का मुख्यालय भोपाल में ही रहेगा।

दिनांक 23 अप्रैल 1976

सं० 6/1/74-म० प० (प्रशा० 1)—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 6/1/74-म० प० (प्रशा० 1), दिनांक 25 अगस्त, 1975 के अनुक्रम में श्री आर० एन० तलवार की सहायक

निदेशक (कार्यक्रम) के पद पर पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ नियुक्ति को विद्यमान शर्तों पर 1 मार्च, 1976 से 31 अगस्त, 1976 तक की अवधि के लिए सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. राष्ट्रपति श्री एम० सी० शर्मा को सहायक निदेशक (कार्यक्रम) के पद पर 21 फरवरी, 1976 से 31 अगस्त, 1976 तक पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

रा० भ० चारी,
भारत के महापंजीकार

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 20 अप्रैल 1976

शुद्धि पत्र

सं० 68018(2)/71-प्रशा०- —भारत के राजपत्र भाग-III खण्ड I दिनांक 2 दिसम्बर, 1972 के पृष्ठ 1681 पर प्रकाशित समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 7-11-1972 की मद संख्या 9 को जो श्री जी० राममूर्ति से संबंधित है, रद्द किया जाता है।

विद्यमान मद 10 और 11 को क्रमानुसार 9 और 10 कर दिया जाए।

एस० के० सुन्दरम,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशासन)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1976

(स्थापना)

सं० 6/1020/74-प्रशा० (राज०) 1—सेवा निवर्तन की आशु प्राप्त होने पर, श्री सी० के० हरचन्द्रानी ने 31 मार्च, 1976 के दोपहर बाद इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

पी० के० कौल
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 22 अप्रैल 1976

सं० 10(1)/73-75/सी० एल० बी० II—कपास नियंत्रण आदेश 1955 के खंड 5(1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त को अधिसूचना सं० 10(1)/

73-74/सी० एल० बी० II दिनांक 19 दिसम्बर 1974 में निम्न-लिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में:—

1. स्पष्टीकरण (एक) के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:

“(एक) शीत मासिक खपत, वस्त्र आयुक्त को सी एस टी एच—प्रपत्र में सितम्बर 1975/मार्च 1976 की अवधि के लिए विनिर्माता द्वारा रिपोर्ट किए गए वास्तविक खपत के आंकड़ों के आधार पर संगणित की जाएगी।”

2. स्पष्टीकरण (चार) के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जायगा, अर्थात्:—

“(चार) इस अधिसूचना के निमित्त भारतीय कपास में सभी भारतीय कपास की किस्मों का समावेश माना जाएगा।”

गौरी शंकर भार्गव
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

उद्योग एवं नागरिक पूति मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च 1976

सं० ए० 19018/236/76-प्रशासन (जी)—विकास आयुक्त, लघु उद्योग, नई दिल्ली शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, आगरा के स्थायी लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी, श्री टी० एच० विलियम को उपरोक्त शाखा संस्थान के अधीनस्थ सैन्ट्रल फुटबियर एण्ड ट्रेनिंग सेंटर, आगरा में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के पद पर स्थानापन्न रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री विलियम ने दिनांक 23-2-76 के पूर्वाह्न में सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के पद का कार्यभार संभाला।

वी० वेंकटरायुलू
उप निदेशक (प्रशासन)

पूति विभाग

पूति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1976

सं० ए-17011/(14)/71-प्र-6—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड-III की इंजीनियरी शाखा में निरीक्षण अधिकारी श्री जे० के० खन्ना को दिनांक 30 मार्च 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी सेवा के ग्रेड-II की इंजीनियरी शाखा में उप निदेशक निरीक्षण के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री खन्ना ने निरीक्षण निदेशक उत्तरी निरीक्षण मंडल के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया तथा 30 मार्च 1976 के पूर्वाह्न से उप निदेशक निरीक्षण (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

सूर्य प्रकाश
उप-निदेशक

कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-700020, दिनांक 13 अप्रैल 1976

सं० ई० 1-2(2)/71—श्री प्रताप कुमार राय, कनिष्ठ निरीक्षक को, श्री निपेन्द्र नाथ सरकार के 15-5-1976 तक के अर्जित अवकाश पर चले जाने के बाद वरिष्ठ इस्पात नियंत्रण निरीक्षक के पद पर एतद्वारा 1 अप्रैल, 1976 (पूर्वाह्न) से प्रभावी स्थानापन्न नियुक्त किया जा रहा है।

टी० घोष

लोहा और इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 15 अप्रैल 1976

सं० 2251 (टी० सी० एम०)/19 बी—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री टी० सी० मारकोज ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में ड्रिलर के पद का कार्यभार, उसी क्षमता में 19 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से संभाल लिया।

सं० 2251(एम० एल० एफ०)/19 बी—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री एम० एल० फोटेदार ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में ड्रिलर के पद का कार्यभार, उसी क्षमता में 23 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया।

सं० 2181 (पी० के० एस०)/19 बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (रसायन) को सहायक रसायनज्ञ के रूप में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई तिथि से, पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

- | | |
|----------------------------|-----------|
| 1. श्री पी० के० सेन गुप्ता | 22-3-1976 |
| 2. श्री जी० के० मोहला | 19-3-1976 |

सं० 2222 (बी० के० एस०)/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री विजय कुमार श्रीवास्तव को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतन मान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 10 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2251 (एम० एफ० आर० एच०)/19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के ड्रिलिंग सहायक श्री मुहम्मद फजलूर रहिम हैदर को ड्रिलर के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतन मान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 16-1-1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2251 (पी० के० आर० पी०)/19 बी०—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री पी० के० रामचन्द्र पानिकर ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में ड्रिलर के पद का कार्यभार उसी क्षमता में 16 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया।

सं० 264(23/9) 19 ए(खंड II)/76—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, प्रत्येक के सामने दर्शाई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं०	अधिकारियों के नाम	नियुक्ति तिथि
1.	डा० दिलीप कुमार राय	18-3-1976 (पूर्वाह्न)
2.	कु० सिबानी दास गुप्ता	18-3-1976 (पूर्वाह्न)

दिनांक 17 अप्रैल 1976

सं० 40/59/सी०/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री डी० पी० माड्गी को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर आगामी आदेश होने तक 29-3-1976 के पूर्वाह्न से, पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 40/59/सी०/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री ए० के० गुप्ता को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार

650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर, आगामी आदेश होने तक 31-3-1976 के अपराह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

बी० के० एस० वरदन,
महानिदेशक

मद्रास को दिनांक 13-4-76 (पूर्वाह्न) से आकाशवाणी, बंगलौर में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

हन्द्र सैन पांथी,
अनुभाग अधिकारी
कृते महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1976

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 अप्रैल 1976

सं० 9/19/60-स्टाफ-2—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री पी० बी० जोशी, मुख्य लिपिक/लेखाकार, आकाशवाणी प्रभानी को दिनांक 8 अप्रैल, 1976] (पूर्वाह्न से आकाशवाणी पटना में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 अप्रैल 1976

सं० 2/71/60-एस-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री एस० रामालिंगम, मुख्य लिपिक दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी

सं० 28-3/73 एडमिन-I—राष्ट्रपति ने श्री बी० पी० भर्सीन को 31 मार्च 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में उप सहायक निदेशक (मूल्यांकन) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० 17-19/75 एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के० तुलसीरामन को 24 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अभियोजक के पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1976

सं० 38-8/75-सी० एच० एस०-I—स्थानांतरण के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों ने पत्तन विमानपत्तन स्वास्थ्य संगठनों में उनके नाम के आगे दिखाई गई तारीख से कार्यभार छोड़ दिया / ग्रहण किया है :—

पद का नाम तथा वर्ग	पद का कार्यभार छोड़ दिया	पद का कार्यभार ग्रहण किया
1. डा० पी० सी० रे, विमानपत्तन स्वास्थ्य अधिकारी, बम्बई (के० स्वा० सेवा का विशेषज्ञ ग्रेड)	24 मार्च, 1976 के अपराह्न से विमानपत्तन स्वास्थ्य अधिकारी, विमान पत्तन स्वास्थ्य संगठन, बम्बई।	25 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी, विमान पत्तन स्वास्थ्य संगठन, बम्बई।
2. डा० एस० डी० वोहरा, के० स्वा० सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-I	13 मार्च, 1976 के अपराह्न से पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी, पत्तन स्वास्थ्य संगठन, कलकत्ता।	22 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से विमान पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी, विमान पत्तन स्वास्थ्य संगठन, पालम।
3. डा० एम० एम० मंडल केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-I	11 मार्च, 1976 के अपराह्न से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली।	12 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से उप-विमान पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी, पालम।

रविन्द्र नाथ तिवारी,
उपनिदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय
(ग्राम विकास विभाग)
विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय
(प्रधान कार्यालय)

एन० एच०-4 फरीदाबाद, दिनांक 20 अप्रैल 1976

सं० फाईल 4-6(108)/76 प्र० III— संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली की संस्तुतियों के अनुसार श्री रास बिहारी शाहा को अधिकृत अधिकारी द्वारा विपणन और निरीक्षण निदेशालय, कलकत्ता में दि० 15 मार्च 1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी वर्ग-II, नियुक्त किया गया है।

बी० पी० चावला,
निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

त्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 18 मार्च 1976

सं० डी० पी० एस०/ए/32011/2/75/स्थापना/4074— परमाणु ऊर्जा विभाग के त्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक, नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना स्थित त्रय एवं भंडार निदेशालय के भंडार यूनिट के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक (भंडार) तथा स्थानापन्न भंडारी श्री राम अवतार गुप्ता को, सहायक भंडार अधिकारी श्री बी० डी० कंडपाल, जिन्हें भंडार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है, के स्थान पर उसी निदेशालय में 7 फरवरी, 1976 के अपराह्न से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ
प्रशासन अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना

कलकत्ता-603102, दिनांक 23 मार्च 1976

सं० एम० ए० पी० पी०/9(1)/76 (आर०)—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी आशुलिपिक तथा मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना के अस्थायी अभ्यक्षक श्री रामा सुब्रह्मण्य को 8 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना में अस्थायी रूप से तदर्थ आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

के० बालाकृष्णन,
प्रशासन-अधिकारी
कृते निदेशक, विद्युत् परियोजना
इंजीनियरी प्रभाग

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 21 अप्रैल 1976

सं० ई० (1)04261—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी), पूना, के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री बी० गोपीनाथ राव को 1-4-76 के पूर्वाह्न से, 28-6-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री गोपीनाथ राव, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, वेधशालाओं के उप-महानिदेशक, (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी) पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 22 अप्रैल 1976

सं० ई० (1)07061—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास कार्यालय के अधीन मौसम केन्द्र, त्रिवेन्द्रम में व्यावसायिक सहायक श्री एस० रंगाराजन जिन्हें इस विभाग की अधिसूचना सं० ई० (1) 07061, दिनांक 5-2-76 द्वारा 15-2-76 तक स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया था, को 16-2-76 के पूर्वाह्न से 3-3-76 तक 17 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न मौसम विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री रंगाराजन, स्थानापन्न सहायक, मौसम विशेषज्ञ प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के अधीन मौसम केन्द्र, त्रिवेन्द्रम में तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1)03705—निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता के कार्यालय में सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एस० सी० मजूमदार निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 31 जनवरी 1976 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

जी० आर० गुप्ता,
मौसम विशेषज्ञ
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 अप्रैल 1976

सं० ए० 23022/1/75 ई० सी०—क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली के कार्यालय के श्री पी० एन० महाजन, स्थायी प्रशासनिक अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर 31-3-76 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है और सेवा निवृत्त हो गए हैं।

हरबंस लाल कोहली,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1976

सं० ए० 32013/6/75-ई० ए०—राष्ट्रपति ने सर्वश्री के० पी० वी० मेनन, वी० आर० विश्वनाथन और एस० सी० जोशी को 2 मार्च, 1976 से श्रगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में नियमित आधार पर विमानक्षेत्र अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 15 अप्रैल 1976

सं० ए० 12034/4/76-ई० ए०—श्री एच० एन० पांडे, वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी, सिविल विमानक्षेत्र, लखनऊ निवर्तन आयु के हो जाने पर 31 मार्च, 1976 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

विषय विनोद जोहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली-110022, दिनांक 15 अप्रैल 1976

सं० ए० 32013/10/75-ई० एच० (I)—राष्ट्रपति ने श्री एस० वैकास्वामी की नागर विमानन विभाग में निदेशक उपस्कर के पद पर की गई तदर्थ पदोन्नति की अवधि 31 अगस्त, 1976 तक या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ा दी है।

सं० ए० 32013/10/75-ई० एच० (II)—राष्ट्रपति ने श्री एस० मुखोपाध्याय की नागर विमानन विभाग में उप-निदेशक उपस्कर के पद पर की गई तदर्थ पदोन्नति की अवधि भी 31 अगस्त, 1976 तक या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ा दी है।

टी० एस० श्रीनिवासन,
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 20 अप्रैल 1976

सं० क० 19012/574/76-प्रशा० पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री आर० सी० अग्रवाल को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद क्रम में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 रु० के वेतनमान में 20-2-1976 के अपराह्न से पूर्णतः अस्थाई तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री आर० सी० अग्रवाल ने उपर्युक्त तिथि तथा समय से केन्द्रीय मुद्रा तथा सामग्री अनुसंधानशाला केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) का पद भार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 21 अप्रैल 1976

सं० 14/238/62-प्रशा०—पांच (खंड-चार) अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री कीमत राय इसरानी का अतिरिक्त सहायक निदेशक, केन्द्रीय जल आयोग के पद का इस्तीफा दिनांक 16-3-76 के अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

जसवंत सिंह,
अवर सचिव

कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रोशीनी हायर परचेजिंग कम्पनी एण्ड चिटफण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जयपुर, दिनांक 21 अप्रैल 1976

सं० सांख्यिकीय /1477—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि कि रोशीनी हायर परचेजिंग कम्पनी एण्ड चिटफण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री गंगानगर जनरल एक्सचेंज लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 21 अप्रैल 1976

सं० सांख्यिकी/1343—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री गंगानगर जनरल एक्सचेंज लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

रामदयाल कुरील,
कम्पनियों के रजिस्ट्रार
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं बैंक आफ नागपुर लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 21 अप्रैल 1976

सं० 72089/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बैंक आफ नागपुर लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं सातारा स्वदेशी कर्माशियल बैंक लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 21 अप्रैल 1976

सं० 259/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सातारा स्वदेशी कर्माशियल बैंक लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० नारायणन,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कार्यालय आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1976

शुद्धि-पत्र

सं० प्रशा० राज० 184-4/75(1)—इस कार्यालय के दि० 10 मार्च, 1976 की अधिसूचना में क्रम सं० 1 पर दर्शित “एम० पी० मेहावाला, निरीक्षक, केन्द्रीय, बम्बई-29-9-75 (अपराह्न) के स्थान पर कृपया “एम० पी० मेहावाला, निरीक्षक, केन्द्रीय, बम्बई 29-9-75 (पूर्वाह्न)” पढ़ें।

वी० रामास्वामी अय्यर,
आयकर आयुक्त
बम्बई नगर-1, बम्बई

संगठन एवं प्रबंधक सेवा निदेशालय (आयकर)

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1976

फा० सं० 9/808/74-सं० व० प्र० से० नि०/5742—
श्री शंकर गुप्ता, सहायक निदेशक (ई० आई० पी०)
रजिस्ट्रार जनरल का कार्यालय भारत गृह मंत्रालय नई-दिल्ली
में रजिस्ट्रार जनरल के कार्यालय से अपने स्थानान्तरण होने पर

संगठन एवं प्रबंधक सेवा निदेशालय (आयकर) नई दिल्ली में
दिनांक 15-3-1976 के (पूर्वाह्न) से सहायक निदेशक के पद का
कार्यभार संभाला।

एच० डी० बहल,

निदेशक संगठन एवं प्रबंधक सेवा निदेशालय (आयकर)

कार्यालय आय-कर अपील अधिकरण,

बम्बई

बम्बई-400020, दिनांक 19 अप्रैल 1976

आदेश

सं० एफ० 48-ए०डी० (ए०टी०)/76— श्री जी० एस० शेटे, सहायक अधीक्षक, आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई जिनका सहायक पंजीकार, आयकर अपील अधिकरण, बंगलौर न्यायपीठ, बंगलौर के रूप में नियुक्ति आदेश अगले आदेश होने तक आस्थगित रखा गया था, देखिए I मेरा आदेश सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/75 पी० दिनांक 1-11-1975, को प्रोत्तति यथांश में नियमित आधार पर आय-कर अपील अधिकरण, बंगलौर न्यायपीठ, बंगलौर में सहायक पंजीकार के पद पर उस दिन से जिस दिन से वे कार्यभार ग्रहण करते हैं, स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है। वे सहायक अधीक्षक, आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई के पदभार से दिनांक 30-4-1976 (अपराह्न) से मुक्त हो जाएंगे और नियमानुसार सामान्य कार्यारम्भ-काल का उपयोग करते हुए अपने कार्यालय का कार्यभार सहायक पंजीकार, आय-कर अपील अधिकरण बंगलौर न्यायपीठ, बंगलौर के रूप में ग्रहण करेंगे।

2. श्री जी० एस० शेटे उस दिन से जिस दिन से वे आय-कर अपील अधिकरण बंगलौर में सहायक पंजीकार के रूप में कार्यभार ग्रहण करते हैं, दो वर्षों के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

हरनाम शंकर,
अध्यक्ष

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई, 1976

निर्देश सं० अ० इ० सं० 3/849/तितम्बर, 75—अतः मुझे आर० जी० नेहरूकर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 9 हि० सं० 2 (अंश) और सीटी सर्वे सं० 36 है, जो गोरेगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री त्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार का कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अन्तर्ग में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2—86GI/76

1. जे० डी० एण्ड कंपनी, प्रा० लिमिटेड अलाइस बिल्डिंग, डा० डी० एन रोड, फोर्ट, बंबई-1

(अन्तरक)

2. अंकमे मेटल इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० स्वामी विवेकानंद रोड, गोरेगांव (पश्चिम) बम्बई-62।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिले और उप-जिले में गोरेगांव ग्राम में स्थित एवं अवस्थित जमीन अथवा मैदान का वह उमांग भाग जिसका सर्वेक्षण संख्या 9, हिस्सा सं० 2 पार्ट है और गोरेगांव ग्राम की सीटी सर्वेक्षण सं० 36 है, जो कि माप में 3733 वर्गगज अर्थात् 3122.43 वर्ग मीटर या उसके समकक्ष है, लाज के भूतत्विक उतार क्षेत्रफल 3997 वर्गगज था, जिसमें से 262 वर्गगज स्वामी विवेकानंद रोड के सेट बैक के लिए राशन ले लिया गया था, इसकी सोनाएं इस प्रकार आबद्ध है कि पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर स्वामी विवेकानंद रोड है, पूर्व में अथवा पूर्व की ओर नाला है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर भूमि है, जिसका सर्वेक्षण संख्या 9, गोरेगांव ग्राम का हिस्सा नं० 2 पार्ट है, तथा यह विक्रेता से संबंधित है और इसे आर०बी० शानबाग तथा अन्य को किराया पर दिया हुआ है, और उत्तर में अथवा उत्तर की ओर जमीन है जिसका सर्वेक्षण सं० 9, हिस्सा नं० 2 पार्ट है, और यह श्री बाबुलाल दिनबंद कोठारी को किराया पर दिया गया है, और इसके साथ अनुबद्ध प्लान में इसे दिखाया गया है, और इसे जान शाही को बाउन्डरी लाइन (लेमा रेखा) से घिरा हुआ दिखाया गया है।

आर० जी० नेहरूकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बंबई

तारीख : 3 मई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० जे० जी०आर०/1847/75-76/—अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 25 कनाल 6 मरले भूमि है तथा जो गांव कमालपुरा तहसील जगरायों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगरायों में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्दर सिंह, पुत्र श्री जमीत सिंह निवासी गांव कमालपुरा, तहसील जगरायों।

(अन्तरक)

2. श्रीमति करतार कौर, विधवा श्री जमीत सिंह निवासी गांव कमालपुरा, तहसील जगरायों।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

25 कनाल 6 मरले भूमि जोकि गांव कमालपुरा, तहसील जगरायों, जिला लुधियाना में स्थित है।

खातानं० 458/511

89

किला नं०—

9/2 12 8/2 13/1 18/2 19

जमाबन्दी साल 1971-72

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2740 अगस्त 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जगरायों के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख: 11-5-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 12 मई 1976

निदेश सं० एस० एन० पी०/1846/75-76/—अतः मुझे
विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव रसोई, जिला सोनीपत
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अगस्त, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० टायरलैंड आफ इण्डिया, गांव रसोई, जिला
सोनीपत ।

(अन्तरक)

2. मै० जसबरो एण्ड कम्पनी, दिल्ली (रजिस्टर्ड) गांव रसोई,
जिला सोनीपत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिस का खसरा नं०		5	14
24	25		4
			1
5-16	7-12		1-7

गांव रसोई, जिला सोनीपत

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1869 अगस्त, 1975
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सोनीपत के कार्यालय में लिखा है ।)

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ।

तारीख : 12-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० एल०डी०एच०/सी०/379/75-76/—यतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 24, है तथा जो माडल ग्राम लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमति कृष्णा कुमारी पत्नी श्री कैलाश चन्द,
- (2) श्रीमति संतोष कुमारी, पत्नी श्री मोहिन्द्र पाल, 66-न्यू माडल टाऊन, लुधियाना ।

(अन्तरक)

2. श्री अमर्जीत सिंह, पुत्र श्री अवतार सिंह, नं० 73, मन्ना सिंह कलोनी माडल ग्राम, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 24 जोकि पखोवाल सड़क और माडल ग्राम सड़क को मिलाने वाली सड़क पर स्थित है ।

जिस का खसरा नं० 75/15/11, खाता नं० 1411/1512, है जमाबंदी साल 1970-71 ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4563 अगस्त, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है ।)

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 11 मई, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़ दिनांक 11, मई 1976

निदेश सं० एल०डी०एच०/सी०/381/75-76/—अतः मुझे
विवेक प्रकाश मिनोचा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० ½ भाग कोठी /नं० B-XIX/433/9 है तथा जो
सिवल लाईन, बसंत रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति इन्द्रा देवी, पत्नी श्री तिलक राज, बसंत रोड,
सिवल लाईनज, लुधियाना ।

(अन्तरक)

2. श्री सतपाल, पुत्र श्री मुनी लाल, मकान नं०
बी०-B-XIX/433/9, बसंत रोड सिवल लाईनज लुधियाना ।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

½ भाग कोठी नं० बी०-B-XIX/433/9, बसंत रोड,
सिवल लाईनज, लुधियाना ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4592 अगस्त, 1975
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है ।)

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 11 मई, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० पी०टी०ए०/1152/75-76/—यतः मुझे
विवेक प्रकाश मिनोचा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 70-डी है तथा जो माडल टाऊन
पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्रीमती हरपाल कौर, पत्नी श्री सुखदेव सिंह,
निवासी भाडल टाऊन, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्रीमति सुरजीत कौर पत्नी श्री भगवान सिंह
निवासी सेह (लुधियाना)
आजकल मकान नं० 70-डी,
माडल टाऊन, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 70-डी, माडल टाऊन, पटियाला।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2440 अगस्त 1975
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 11 मई, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अप्रैल 1976

निदेश सं० 1553,—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बूट गांव तहसील
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
वृक्ष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किशन सिंह व बिशन सिंह सपुत्र
श्री लाभ सिंह सपुत्र श्री माहली राम निवासी बूट तहसील
जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्री जगत राम सपुत्र श्री बूरा सपुत्र श्री रक्खा राम गांव
मुड तहसील नकोदर मार्फत श्री किशन चन्द सपुत्र श्री
नथू राम निवासी बस्ती बाबा खेल जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 5117 अगस्त 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 22-4-1976

मोहर :

प्ररूप आर्द० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अप्रैल 1976

निदेश नं० 1554—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो कोट राम दास जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1975 को

पूषोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूषोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री राज गोपाल, सुपुत्र श्री रामजी दास निवासी
विक्रम पुरा जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्री बन्सी लाल सुपुत्र श्री राम लाल
डब्ल्यू० एफ० 145 आली मोहल्ला जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5373 अगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 22-4-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14, क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आर०III/सेप्टेम्बर/
(52)/75-76—अतः, मुझे, एस० सी० पारीजा

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी-178 है तथा जो डीफेन्स कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री त्रिलोक नाथ ग्रोवर पुत्र श्री हवेली राय निवासी 34/32 वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली जो कि जनरल अटार्नी मै० नारंग ओवरसीज प्रा० लि०, सुन्दर नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

3—86 GI/76

2. मै० लालस कोप्पर एण्ड आस पैलेस 1009 चावरी बाजार, दिल्ली

(अन्तरिती)

3. श्री के० एम० साहनी निवासी सी-178 डीफेन्स कालोनी नई दिल्ली (आउन्ड प्लोर) (2) श्री तेनजिंग लोट, सी-178 डीफेन्स कालोनी, नई दिल्ली

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. मै० नारंग ओवरसीज (प्रा०) लि० 17 सुन्दर नगर मार्केट, नई दिल्ली

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/4 अविभाजित भाग ढाई मंजिली जायदाद का जिसका नं० सी-178 डीफेन्स कालोनी नई दिल्ली में है तथा जिसका क्षेत्रफल 325 वर्ग गज है जो कि निम्न प्रकार से घिरी हुई है :—

उत्तर : जायदाद नं० 177

दक्षिण : जायदाद नं० 179

पूर्व : सविस लैन

पश्चिम : सड़क

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू/1/एस० आर० III/969/अवटू०
1/(5)/75-76—अतः, मुझे, एस० सी० पारीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी-178 है तथा जो डीफेन्स कालोनी, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 8-10-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री त्रिलोक नाथ ओवर पुत्र श्री हवेली राय निवासी
34/32 वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली जो कि जनरल अटानी मै०
नारंग ओवरसीज प्रा० लि०, सुन्दर नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. मै० लालस कोप्पर एंड आस पैलेस 1009 चावरी
बाजार, दिल्ली

(अन्तरिती)

3. श्री के० एन० साहनी निवासी सी-178 डीफेन्स कालोनी
नई दिल्ली (आऊन्ड फ्लोर) (2) श्री तेनजिंग लोट, सी-178
डीफेन्स कालोनी, नई दिल्ली

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. मै० नारंग ओवरसीज (प्रा०) लि० 17 सुन्दर नगर
मार्कीट, नई दिल्ली

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/4 अविभाजित भाग ढाई मंजिली जायदाद का जिसका
नं० सी-178 डीफेन्स कालोनी नई दिल्ली में है तथा जिसका
क्षेत्रफल 325 वर्ग गज है जो कि निम्न प्रकार से घिरी हुई है :

उत्तर : जायदाद नं० 177

दक्षिण : जायदाद नं० 179

पूर्व : सर्विस लैन

पश्चिम : सड़क

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यु०/1/एस०आर० III/ सैप्टेम्बर/(33)/75-76/—अतः, मुझे, एस० सी० पारीजा आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी-178 है तथा जो डीफेन्स कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री त्रिलोक नाथ श्रोवर पुत्र श्री हवेली राम निवासी 34/32 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली जो कि जनरल अटार्नी मै० नारंग श्रोवरसीज प्रा० लि०, सुन्दर नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. मै० लालस कोप्पर एंड आस पैसेस 1009 चावरी बाजार, दिल्ली

(अन्तरिती)

3. श्री के० एन० साहनी निवासी सी-178 डीफेन्स कालोनी नई दिल्ली (प्राउन्ड फ्लोर) (2) श्री तेनजिंग लोट सी-178 डीफेन्स कालोनी, नई दिल्ली

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. मै० नारंग श्रोवरसीज (प्रा०) लि० 17, सुन्दर नगर मार्फट, नई दिल्ली

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जाता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तसम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 अविभाजित भाग ढाई मंजिली जायदाद का जिसका नं० सी-178 डीफेन्स कालोनी नई दिल्ली में है तथा जिसका क्षेत्रफल 325 वर्ग गज है जो कि निम्न प्रकार से घिरी हुई है:—

उत्तर: जायदाद नं० 177

दक्षिण: जायदाद नं० 179

पूर्व: सर्विस लैन

पश्चिम: सड़क

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-5-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III दिल्ली-1

14/4 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू III/एस०आर०-II/सितम्बर/1005(1)/75-76—अतः, मुझे, एस० सी० पारीजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2 बीगा तथा 8 बिसवा है तथा जो दावरी गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-9-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कैलाश (नाबालिग) तथा दनेश (नाबालिग) सुपुत्र श्री देबी सहाय जीन्दल, निवासी 1/77, पंजाबी बाग, दिल्ली। इनके प्राकृतिक संरक्षक श्री० देबी सहाय जीन्दल, सुपुत्र श्री० नट राम जीन्दल के द्वारा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राम देवी जीन्दल, पत्नी श्री० देबी सहाय जीन्दल, निवासी 1/77, पंजाबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 बीगा तथा 8 बिसवा है, खसरा नं० 29/6 है, दावरी गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है।

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-5-76

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०III/एस०आर०-II/

सितंबर/—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2 बीगा तथा 8 बिसवा है तथा जो दाबरी गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची से पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन, तारीख 12-9-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनिल कुमार (नाबालिग) तथा अरविन्द कुमार (नाबालिग), सुपुत्र श्री देवी सहाय जीन्दल, निवासी 1/77, पंजाबी बाग, दिल्ली-1 इनके प्राकृतिक संरक्षक श्री देवी सहाय जीन्दल, सुपुत्र श्री नट राम जीन्दल के द्वारा ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति राम देवी जीन्दल, पत्नी श्री देवी सहाय जीन्दल, निवासी 1/77, पंजाबी बाग, दिल्ली-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 बीगा 8 बिसवा है, खसरा नं० 29/6 है, दाबरी गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है ।

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, विल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/III/एस०आर०-II/सितंबर/
1019(16)/75-76/—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि का क्षेत्रफल 2585 वर्ग गज, खसरा नं०
29/15, दाबरी गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली है तथा जो दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 20-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० जीन्दल इन्स्टीस लि०, 15/1, आसफ अली रोड
नई दिल्ली-1 दिल्ली ब्रांच के मैनेजर श्री बसंत कुमार के द्वारा
(अन्तरक)

2. श्रीमती राम देवी जीन्दल, पत्नी श्री० देवी सहाय जीन्दल,
1/77, पंजाबी बाग, विल्ली-1
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2585 वर्ग गज है, और प्लॉट
नं० 8 तथा 9 है, खसरा नं० 29/15, दाबरी गांव, दिल्ली राज्य,
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : अन्य भूमि

पश्चिम : प्लॉट नं० 10

उत्तर : प्लॉट नं० 15

दक्षिण : प्लॉट नं० 6 तथा 7

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, विल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/III स० आर०-II/
सितंबर/1013/(10)/75-76/—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मुस्तातील नं० 3 तथा 37 है तथा
जो सारंगपुर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 17-9-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कन्हैया सुपुत्र श्री० राम चन्द, निवासी सारंगपुर
दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री रामकाला, रामफल, करन सिंह, भरम प्रकाश,
सभी सुपुत्र श्री० जग लाल, निवासी गालीबपुर गांव, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

कृषी भूमि जिसका क्षेत्रफल 21 बीगा तथा 11 बिसवा है,
मुस्तातील नं० 37, किला नं० 4 (2-12), 5/2 (2-3), 6 (3-)
तथा मुस्तातील नं० 36, किला नं० 2/2, (2-0), 8/2 (1-17),
9 (5-4), 10 (4-4) 13/1 (0-8) है, जोकि सारंगपुर गांव
के क्षेत्र में स्थित है।

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-5-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-III/
सितंबर/410(5)/75-76/—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० जायदाद नं० 11101, वार्ड नं० 16, प्लॉट नं० 50, ब्लॉक
6ए० का 1/4 अविभाजित भाग, ड्रलूय ई० ए०, है तथा जो
करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 4-9-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री इन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री० निहाल सिंह, निवासी 4351,
गली नं० 58, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली-1, श्रीमती
हरजीत कौर के लिए जरनल एटारनी, पत्नी श्री० अमर सिंह,
सुपुत्री श्री० राम सिंह ।

(अन्तरक)

2. श्री किशन सिंह, सुपुत्र श्री० सौदागर मल, निवासी
5-ए०/170, सत नगर, करौल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

3. श्री एस० सेन (2) नील कंठन (3) एम० डी० चौधरी,
निवासी 6ए०/50, ड्रलूय ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान का 1/4 अविभाजित भाग जो कि
162 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका
जिसका मुन्यसिपल नं० 11101, वार्ड नं० 16, प्लॉट नं० 50,
ब्लॉक नं० 6ए० है, ड्रलूय ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० 6ए/51

पश्चिम : प्लॉट नं० 6ए/49

उत्तर : रोड़

दक्षिण : स्ट्रीट

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-III सितम्बर/411(6)/75-76—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद नं० 11101, वार्ड नं० 16, प्लॉट नं० 50, ब्लॉक नं० 6ए० का 1/4 भाग, है तथा जो डब्लू ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दयापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-86 GJ/76

1. श्री अमर सिंह, सुपुत्र श्री० इन्द्र सिंह, निवासी 4351, गली नं० 58, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार, सुपुत्र श्री० किशन सिंह, निवासी 6-ए०/68, डब्लू ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

3. सर्वश्री एस० सेन (2) नील कंठन (3) एम० डी० चौधरी सभी निवासी 6ए०/50, डब्लू ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली-1 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकियां बरती हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक हाई मंजिला सकान का 1/4 अविभाजित भाग जिसका मुख्यसिपल नं० 11101, वार्ड नं० 16 है, जोकि 162 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट नं० 50, ब्लॉक नं० 6-ए० पर, डब्लू ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० 6ए०/51

पश्चिम : प्लॉट नं० 6ए०/49

उत्तर : रोड़

दक्षिण : स्ट्रीट

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 मई 76

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/III/एस० आर III/सितम्बर/412(7)/75-76/—अतः, मुझे, एस० सी० पारीजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद नं० 11101, वाडें नं० 16, प्लॉट नं० 50, ब्लॉक नं० 6ए का 1/4 भाग, डब्ल्यू ई० ए०, है तथा जो करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री अमर सिंह, सुपुत्र श्री इन्द्र सिंह, निवासी 4351, गली नं० 58, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री मोहन सिंह, सुपुत्र श्री किशन सिंह, निवासी 4351, गली नं० 58, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली लेकिन अब 6-ए/68, डब्ल्यू ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

3. सर्वश्री एस० सेन (2) नील कंठन (3) एम० डी० चौधरी सभी निवासी 6ए/50, डब्ल्यू ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई भंजिला मकान का 1/4 अविभाजित भाग जिसका नं० 11101, वाडें नं० 16, प्लॉट नं० 50, ब्लॉक नं० 6ए है, और क्षेत्रफल 162 वर्ग गज है, डब्ल्यू ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:-

पूर्व : प्लॉट नं० 6ए/51

पश्चिम : प्लॉट नं० 6ए/49

उत्तर : रोड़

दक्षिण : स्ट्रीट

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III दिल्ली-1

नई दिल्ली दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-111
सितम्बर/409(4)/75-76—अतः, मुझे, एस० सी० पारीजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जायदाद नं० 11101, बार्ड नं० 16, प्लॉट नं०
50, ब्लॉक नं० 6ए०, 1/4 अविभाजित भाग/डब्ल्यू ई० ए०, करौल
बाग है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-9-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री इन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री० निहाल सिंह, निवासी 4351,
गली नं० 58, रहगपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली-1 श्रीमती
हरजीत कौर के लिए जरनल एटारनी, पत्नी श्री अमर सिंह,
सुपुत्री श्री राम सिंह । (अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा रानी बनाम पुष्पा देवी, पत्नी श्री किशन
सिंह, निवासी 5-ए/170, करौल बाग, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

3. सर्वश्री एस० सेन (2) नील कंठन (3) एम० डी०
चौधरी, निवासी 6ए/50, डब्ल्यू ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान का 1/4 अविभाजित भाग जोकि
162 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका म्युनिसिपल
नं० 11101, बार्ड नं० 16, प्लॉट नं० 50, ब्लॉक नं० 6ए है,
डब्ल्यू ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लॉट नं० 6ए/51

पश्चिम : प्लॉट नं० 6ए/49

उत्तर : रोड

दक्षिण : स्ट्रीट

एस० सी० पारीजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एव्यू०/III/एस०आर०-111/नवम्बर/457(12)/75-76—अतः, मुझे, एस० सी० पारीजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2218 है तथा जो चूना मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-11-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स माडर्न मशान्स प्रा० लि०,
2217, चूना मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. आशा ओबराए, पत्नी श्री आई० एल० ओबराए
7, साउथ एवेन्यू, महारानी बाग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

3. मै० ईकनोमिक ट्रान्सपोर्ट औरगनाईजेशन,
2218, चूना मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली ।
(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में-कागान की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 357 वर्ग गज है, और सं० 2218, चूना मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली में है, जिसमें दो कमरे तथा एक टीन शीड भी है, निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : राज गुरु रोड

पश्चिम : श्री कन्हैया लाल जैन की जायदाद

उत्तर : गली नं० 9 (चूना मण्डी)

दक्षिण : गली नं० 10 (चूना मण्डी)

एस सी० पारीजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली-1

दिनांक : 17-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री आर० सौरराजुलु चेद्वियार और आदि।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

2. पी० सी० कल्लु, पान्डीय पिल्लै, राजामनी और पन्चा-
टचरम। (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-1, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 1 अप्रैल 1976

निर्देश सं० VII/1/37(सित०)/75-76—यतः मुझे,
जी० रामनाथनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सूचना प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० टी० एस० 421/31, 421/31ए और 421/
31बी है, जो ओल्ड दारापुरम रोड, पलनी में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, पलनी (पत्र सं० 1187/75) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर, 1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरण
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समर्था व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

पलनी ओल्ड दारापुरम रोड टी० एस० सं० 421/32 बी०,
421/32 ए और 421/31, डोर सं० 31, 31 ए०, 31 बी०,
31 सी०, 31 टी०, 31 ई०, 31 एफ० में 22041 स्ववेयर फीट
की भूमि और मकान (सामी थियेटर)।

जी० रामनाथन

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 1 अप्रैल 1976

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० XIX/10/62 (सित०)/75-76—यतः मुझे,
जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 1406/2, पनगुडी गांव है, जो पनगुडी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पनगुडी (प्लॉट सं० 1755/
75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्री पी० सोमसुन्दरम, प्लॉट सं० 117, अन्ना नगर,
मद्रास-60। (अन्तरक)

2. श्री आर० करुनानिधि, पनगुडी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तिरुनेलवेली जिला, पनगुडी वार्ड IV, डोर सं० 203, 204
और 205 सर्वे सं० 1406/2 में 39 $\frac{1}{2}$ सेन्ट की भूमि (मकान
के साथ)।

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 5-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० ए० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० XXI/12/94 (सित०)/75-76—यतः मुझे,
जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 17 है, जो चेट्टी स्ट्रीट तिरुपतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुपतूर (पत्र सं० 3375/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री टी० ए० लाता चेट्टियार और आदि। (अन्तरक)

2. नगरतु वैसयरगल संगम, तिरुपतूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुपतूर, चेट्टी स्ट्रीट और सं० 17 में 5603 स्ववेयर फीट की भूमि और मकान में एक भाग।

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 27-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री टी० ए० ताता चेद्रीयार और आदि। (अन्तरक)

2. श्री नगरतु वैसयरगल संगम, तिरुपत्तूर। (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1976

निर्देश सं० XXI/12/95 (सित०)/75—यतः मुझे, जी०
रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 17 है, जो चेद्री स्ट्रीट में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, तिरुपत्तूर (पत्र सं० 3376/75) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुपत्तूर चेद्री स्ट्रीट डोर सं० 17 में 5603 स्ववेयर फीट
की भूमि और मकान में एक भाग।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 27-4-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० XII/14/63, 66 और 65 (सित०)/75-76—

यतः मुझे जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० सं० 146/2 है, जो पालयमचेट्टी कुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालयमकोट्टी (पत्र सं० 2676/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

5—86GI/76

1. श्री एस० एन० अब्दुल कादर और आदि। (अन्तरक)

2. जयजोती और आदि। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुनेलवेली जिला, पालयमचेट्टीकुलम गांव, आर० एस० सं० 146/2 में 58 सेन्ट की भूमि।

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 21-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1976

निर्देश सं० XVII/7/67 (सित०)/75-76--यतः, मुझे
जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे सं० 208 और 205 है, जो महुडनचावडी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महुडनचावडी (प्ल
सं० 1139/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 15-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः--

1. श्री रामसामि गऊन्डर और बी० आर० मणी।
(अन्तरक)
2. श्री सेंगोड गऊन्डर, वेल्लक्कलपट्टी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 208 (3.06 एकड़) और 205 (0.89 एकड़)
में 3.95 एकड़ की भूमि (प्ल सं० 1139/75) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, महुडनचावडी।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 29-4-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1976

निर्दिष्ट संख्या VII/7/63 (निरीक्षण)/75-76--पत्र, मुने,

जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 208 और 205 है, जो महुडनचावडी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महुडनचावडी (पत्र
सं० 1140/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 15-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुछ किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामसामि गऊडर और वी० आर० मणी।

(अन्तरक)

2. श्री नटेसन, वेल्लक्कलपट्टी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 208 (3.06 एकड़) और 205 (0.89 एकड़)
में 3.95 एकड़ की भूमि (पत्र सं० 1140/75—रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, महुडनचावडी)।

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 29-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1976

निर्देश सं० XVII/13/72 (सित०)/75-76—यतः मुझे,

जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० सर्वे सं० 316/5 है, जो पल्लीपालयम में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुमारपालयम (पत्र सं० 1381/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री एस० ए० नटेश गऊंडर और आदि (अन्तरक)

2. श्रीमती एस० गजलक्ष्मी, ई रोड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 26-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, पल्लीपालयम वार्ड 3, सर्वे सं० 316/5, में 10481 स्कूयर फीट की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 29-4-1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० XVII/13/73 (सित०)/75-76—यतः मुझे,
जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे सं० 316/5 है, जो पल्लीपालयम में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारियों के कार्यालय, कुमारपलयम (पत्र सं०
1384/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 16-9-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने के लिए में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० ए० नटेश गऊन्डर और आदि। (अन्तरक)
2. श्रीमती सरस्वती, राजा स्ट्रीट, पल्लीपालयम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र, में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

सेलम जिल्ला, पल्लीपालयम, वार्ड 3, सर्वे सं० 316/5,
में 10030½ स्क्वेयर फीट की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 29 अप्रैल 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1976

निर्देश सं० XVII 13/74 (सित०)/75-76—यतः, मुझे,
जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे सं० 316/5 है, जो पल्लीपालयम में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुमारपालयम (एन सं०
1386/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 16-9-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० ए० नटेश गऊन्डर और आदि। (अन्तरक)

2. श्री पी० संगमेश्वरन पोलीस स्टेशन रोड, पल्लीपालयम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो श्री अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, पल्लीपालयम, सर्वे सं० 316/5 में 5724
स्क्वेयर फीट की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 29-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1976

निर्देश सं० /13/75 (सित०)/75-76—यतः सुझे
जी० रामनाथन
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे सं० 316/5 है, जो पल्लीपालयम में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कुमारपासयम (एत सं०
1388/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 16-9-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वांछित रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० ए० नटेश गज्जंडर और आदि। (अन्तरक)

2. श्री पी० राजन्म चेट्टी, पुदूर, पल्लीपालयम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम, पल्लीपालयम सर्वे सं० 316/5 में 5615 स्क्वेयर
फीट की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 29 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1976

निर्देश सं० V XII/13/76 (सित०)/75-76—यतः मुझे,
जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे सं० 316/5 है, जो पल्लीपालयम में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुमारपालयम (प्ल सं०
1390/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 16-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० ए० नटेश गऊन्डर और आदि। (अन्तरक)

2. श्री के० कृष्णास्वामी चेट्टी, काट स्ट्रीट, भवानी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में, दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, पल्लीपालयम, सर्वे सं० 316/5 में 316/5
स्कवेयर फीट की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 29-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1976

निर्देश सं० X/1/82 (सित०)/75 76—यतः, मुझे जी०
रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 2209 है, जो पालम स्टेशन रोड, मदुरै
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम (पत्र सं०
2941/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 20-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—86GI/76

1. आर० एम० ए० आर० ए० आर०, आर० एम०
ट्रस्ट, देवकोट्टे । (अन्तरक)

2. नरसी प्रेमजी पटेल, मनजी प्रेमजी पटेल और हीरालाल
अरजन पटेल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

मदुरै, सेल्लूर, पालम स्टेशन रोड, टी० एस० 2209 में 20
सेन्ट की खाली भूमि ।

जी० रामनाथन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 29-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1976

निर्देश सं० X/1/83 (सित०)/75-76—यतः मुझे जी०
रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० टी० एस० 2209 है, जो पालम स्टेशन रोड,
मदुरै में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तन्लाकुलम
(पत्र सं० 2940/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 20-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को;
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० एम० ए० आर० ए० आर०, आर० एम०
स्ट्रीट, देवकोट्टे (अन्तरक)

2. श्री आर० के० ए० गुरुस्वामि, चेदियार, मदुरै।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, सेल्लूर, टी० एस० 2209, में 13 सेन्ट और 82
स्क्वेयर फीट की खाली भूमि।

जी० रामनाथन

[सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 29-4-76

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

1. आर० एम० ए० आर० ए० आर० ट्रस्ट देवकोट्टे।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1976

निर्देश सं० एफस/1/84 (सित०)/75-76—यतः मुझे, जी०
रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी०एस० 2209 है जो सेल्लूर, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम (पत्र सं० 2931/75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-9-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्री नरणी प्रेमजी और आदि। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, सेल्लूर, टी०एस० सं० 2209 में, 15 सेन्ट की खाली भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 29-4-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. पलनि गऊंडर और आदि ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

2. चिन्न गऊंडर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० एक्स० बी० टू० आई०/13/70 (सित०)/75-76—यतः मुझे जी० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है, जो समयसमिति गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कुमारपालयम (पत्र सं० 1352/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-9-1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से, उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से, उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

समयसमिति गांव सर्वे सं० 242/1, 243/3, 243/6, 243/9, 244/2, 245/6, 246/4, 228/1 और 245/3 में 6 एकड़ की भूमि में 1/3 भाग ।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 28-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री पलनि गऊंडर और आदि।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री विन्न गऊंडर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1976

निर्देश सं० XVII /13/71 (सित०)/75-76—यतः

मुझे, जी० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जो समयसमय पर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कुमार पालयम (प्ल सं० 1353/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-9-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

अनुसूची

समयसगिलि गांव सर्वे सं० 242/1, 243/3, 243/6, 243/9, 244/2, 245/6, 246/4, 228/1 और 245/3 में 6 एकड़ की भूमि में 1/3 भाग।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीख : 28-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

1. श्री नम्बी तेवर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री कृष्ण तेवर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० XII /10/52 (सित०)/75-76—यतः मुझे,
जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया

है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,

यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जो सेरकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में

और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय

श्री वेङ्कटम (पत्र सं० 2344/75) में रजिस्ट्रीकरण

अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे

यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का

उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान

प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक

(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण

के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से

उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं

किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

सेरकुलम सर्वे सं० 713/2, 716/1 और 716/2 में 4.27½ एकड़ की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रासतारीख : 27-4-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1976

निर्देश सं० XII/10/53 (सि०)/75-76—यतः मुझे,
जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं०

है, जो सेरक्कुलम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्री-
वैकुण्ठम (पत्र सं० 2345/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री नम्बी तेवर

(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण तेवर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सेरक्कुलम, सर्वे सं० 714/2 और 715, 2 में 3.15 एकड़
की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 27-4-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1976

निर्देश सं० IX/4/11 (सित०)/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 79 है, जो आचारप्पन स्ट्रीट, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 690/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आर० पान्दुरगन और पद्मावती अम्माल (अन्तरक)
2. श्री बी० रामकृष्ण रेड्डी, मद्रास (अन्तरिती)

3. सर्वश्री (1) टी० एस० जयगोपाल चेटीयार, (2) वलकम ट्रेडर्स, (3) वलकम दाल मिल, (4) एस० पी० के० वी० लारी सर्विस, (5) वेंकटेश्वरा स्केल्स को०, (6) एन० रामदास, (7) वी० चन्द्रन, (8) टी० राजा चेटी, (9) पी० राधाकृष्णन, (10) एस० गोकुल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1. मद्रास-1, आचारप्पन स्ट्रीट डोर सं० 79 (आर० एस० 5553/1) में 2 ग्राउन्ड और 471 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 27-4-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—



1. श्री सिवजानम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री कुमरसेन नाडार

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० XII /9/102 (सित०)/75-76—

यतः, मुझे, जी० रामनाथन,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 150/1 है, जो सालनकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरप्पनाडु (पत्र सं० 1953/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

सालनकुलम सर्वे सं० 150/1 में 22 एकड़ और 72 सेन्ट की भूमि में 1/3 भाग।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 28-4-1976
मोहर :

7—86GI/76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री सिवजानम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1976

निर्देश सं० XII/9/103 (सित०)/75-76—यतः, मुझे,

जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी सं० 150/1 है, जो सालनकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरप्पनाडु (पत्र सं० 1954/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 2-69ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री नटराजन नाडार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सालनकुलम सर्वे सं० 150/1 में 22 एकड़ और 72 सेन्ट की भूमि में 1/3 भाग।

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 28-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री सिवजानम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री मतिअलगन नाडार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

निर्देश सं० XII/9/104 (सित०)/75-76—यतः, मुझे,
जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 150/1 है, जो सालनकुलम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मरप्पनाडु (पत्र सं० 1955/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सालनकुलम सर्वे सं० 150/1 में 22 एकड़ और 72 सेंट की भूमि में 1/3 भाग।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः श्रव 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 28-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/II/1111/2434/
75-76—यतः, मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 6454 का 1/2 भाग है तथा जो कटरा बरयान,
गली पीपल वाली, दिल्ली-6 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(घ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्—

1. श्रीमती मुनीश कुमारी, पत्नी श्री नारेश चन्द्र, निवासी
6454, कटरा बरयान, दिल्ली-6। (अन्तरक)

2. श्रीमती गियानवती, पत्नी श्री वेद प्रकाश, (2) श्री
सुरेश चन्द्र सुपुत्र श्री श्रीराम, निवासी 6454, कटरा बरयान,
गली पीपल वाली, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि 192 वर्ग गज
क्षेत्रफल की भूमि पर बना हुआ है, जिसका नं० 6/6454 है, कटरा
बरयान, गली पीपल वाली, दिल्ली-6 में है।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 2-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/15 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली 1
नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1112/415/75-
76—अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जे०-3/6 का दक्षिण भाग है तथा जो कृष्ण नगर,
शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बीर सिंह चौहान, सुपुत्र श्री मोती सिंह, निवासी गांव
जाहराना, पोस्ट आफिस भागवतपुर, तहसील खेर, जिला अलीगढ़
(यू० पी०)। (अन्तरक)

2. श्री चूनी लाल नारुला, सुपुत्र श्री कुलजास राय नारुला,
निवासी 128/30, चान्द मोहल्ला, गांधी नगर, दिल्ली-31।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० जे०-3/6 का दक्षिणी भाग जो 188.11 वर्ग
गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बनी हुई है (जिसका कुल क्षेत्रफल,
420.625 वर्ग गज है), कृष्ण नगर की आबादी, शाहदरा, दिल्ली
में है।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 2-3-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/II/1113/2377/75-76—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ई०-15 है तथा जो सत्यावती नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरसरूप शर्मा, सुपुत्र श्री शिव चन्द शर्मा, निवासी 7367, प्रेम नगर, सब्जी मण्डी, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री राजेश कपूर, सुपुत्र श्री शाम दास कपूर, निवासी 5323, ब्लाक 6-बी, जवाहर नगर, सब्जी मण्डी, दिल्ली-7। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जो 200 वर्ग गज क्षेत्रफल की भूमि पर है, जिसका नं० 15 है, सत्यावती नगर, दिल्ली में है। यह प्लॉट निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—

पूर्व : प्लॉट नं० ई-14
पश्चिम : प्लॉट नं० ई०-16।
उत्तर : रोड
दक्षिण : सर्विस लेन।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 2-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/II/2387/75-76/1109—अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/24 का 1/4 भाग है तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरभजन लाल, सुपुत्र श्री देसराज, निवासी 1/24, कीर्ती नगर, नई दिल्ली-1। (अन्तरक)

2. श्री केवल कृष्ण, सुपुत्र श्री देस राज, निवासी 1/24, कीर्ती नगर, नई दिल्ली-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ठाई मंजिला मकान का 1/4 अधिभाजित भाग जो 380.5/6 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 24, ब्लॉक नं० 1 है, कीर्ती नगर, नई दिल्ली, बसाए दारापुर गांव, दिल्ली में है। यह प्लॉट निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० 1/24-ए
पश्चिम : प्लॉट नं० 1/22-23
उत्तर : सर्विस लेन
दक्षिण : पार्क।

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 2-3-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/II/1110/2398/75-76—अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/24 का 1/4 भाग है तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रोशन लाल, सुपुत्र श्री देस राज, निवासी 1/24, कीर्ती नगर, नई दिल्ली-1। (अन्तरक)

2. श्री देस राज, सुपुत्र श्री कान्ही राम, निवासी 1/24, कीर्ती नगर, नई दिल्ली-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान का 1/4 अविभाजित भाग जो 380.5/6 वर्ग मी क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 24, ब्लॉक नं० 1 है, कीर्ती नगर, नई दिल्ली, बसाए दारापुर गांव, दिल्ली में है। यह प्लॉट निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० 1/24-ए
पश्चिम : प्लॉट नं० 1/22-23
उत्तर : सविस रोड
दक्षिण : पार्क।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 2-3-1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1114/2372/75-76—अतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० एफ०-5/5 है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—86 GI/76

1. श्री खेम राज सुराना तथा श्री घेवर चन्द सुराना, सुपुत्र श्री हस्ती मल सुराना, निवासी एफ-5/5, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ती देवी, पत्नी श्री जगदीश राम गुप्ता, (2) मास्टर दीपक जे० गुप्ता, (नाबालिग) सुपुत्र श्री जगदीश राम गुप्ता, (3) श्रीमती लीला वती पत्नी श्री रामेश्वर दास गुप्ता, (4) श्रीमती इन्द्रा गुप्ता पत्नी श्री राज कुमार, निवासी ए-2/7, कृष्ण नगर, दिल्ली-51। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला बिल्डिंग जो 275.47 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बनी हुई है, जिसका नं० 5, ब्लाक नं० एफ०-5 है, माडल टाउन, दिल्ली में है। यह प्लॉट निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : बिल्डिंग नं० एफ-5/6
पश्चिम : बिल्डिंग नं० एफ-5/4
उत्तर : रोड
दक्षिण : बिल्डिंग नं० एफ-4/5

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 2-3-1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1115/75-76--
यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 39/13 है तथा जो रमेश नगर, नई दिल्ली में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. धरमबोर सुपुत्र श्री मानक चन्द, निवासी 128-डब्ल्यू०
जैड, शारदापुर, नई दिल्ली-1। (अन्तरक)

2. श्रीमती कौशल्या देवी सुपुत्री श्री एस० हुकम सिंह,
निवासी एफ० बी०/10, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली-27।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट जिसका सं० 29/13 है, क्षेत्रफल 118 वर्ग गज है,
रमेश नगर, दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 2-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जने रेंज-11, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1145/75-76—

अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 45-यू० ए०, म्युनिसिपल नं० 5990, जवाहर नगर, सब्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कौशल्या देवी बधावा, विधवा पत्नी श्री बाबा जागीर सिंह, 43-यू० ए०, म्युनिसिपल नं० 5990, जवाहर नगर, दिल्ली-7, अपने तथा मनमोहन सिंह के लिए जनरल एटारनी, गुरप्रेम सिंह

सुपुत्र सरबंस कौर, हरमेश कौर तथा गुरजीत कौर, (सभी नाबालिग), सुपुत्री एल० श्री बाबा जागीर सिंह, (2) तरलोचन सिंह, सुपुत्र बाबा जागीर सिंह, (3) श्रीमती हंस खोसला, सुपुत्री श्री बाबा जागीर सिंह, पत्नी श्री बाई० सी० खोसला, 45-यू० ए०, नवाहर नगर, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री डा० आशा नन्द मेहता, (2) बिशन दास मेहता, (3) राम दास मेहता, (4) दीपिन्द्र कुमार मेहता, (5) यश पाल मेहता, (6) अशोक कुमार मेहता, (सभी नाबालिग), सुपुत्र श्री डा० आशा नन्द मेहता, निवासी 45-यू० ए०, जवाहर नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

3. श्री आशा नन्द मेहता, (2) श्री जीत प्रकाश मेहता, (3) श्री सन्धु राम (4) श्री कृष्ण चन्द्र तथा (5) श्री दयाल सिंह। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और जो पदों का उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक शर्मा मंजिला मकान जोकि 132. 2/5 वर्ग गज प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 45 यू० ए० है, म्युनिसिपल नं० 5900 है, जवाहर नगर, सब्जी मण्डी, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : 20 फुट चौड़ी सरकारी सड़क
पश्चिम : 15 फुट चौड़ी सरकारी सड़क
उत्तर : मकान नं० 45-बी०
दक्षिण : 20 फुट चौड़ी सरकारी सड़क।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जने रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 5 अप्रैल, 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1146/75-76—

अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 3769 है तथा जो मुख्य बाजार, वारा टूटी, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री घोसी राम, सुपुत्र श्री मेमराज मल, (2) शिव कुमार, सुपुत्र श्री घोसी राम, (3) कमल कान्त (नाबालिग), श्री घोसी राम के द्वारा जोकि संरक्षक के तथा पिता हैं, निवासी 3746, गली बरना, सदर बाजार, दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री मिथन लाल, सुपुत्र श्री हाकिम चन्द भान, निवासी 1239, सदर थाना रोड, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

याददाद नं० 3769 का क्षेत्रफल 23.1/3 वर्ग गज है, जोकि वारा टूटी, सदर बाजार दिल्ली में है । यह जायदाद निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : अन्य की जायदाद ।
पश्चिम : अन्य की जायदाद
उत्तर : : मुख्य सड़क
दक्षिण : अन्य की जायदाद ।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 5 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली 1

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1147/76-77—
यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जी-39 है तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शान्ती स्वरूप, सुपुत्र श्री राम रंग, निवासी एफ-54,
बाली नगर, नई दिल्ली 1। (अन्तरक)
2. श्री शंकर दास, सुपुत्र श्री किशोरी राम, निवासी एम-
40, कीर्ति नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, और
नं० 39, ब्लॉक नं० 'जी' है, निवासी कालोनी बाली नगर, नई
दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 5 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1162/76-77—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 35 यू.ए. जायदाद नं० 6011 है तथा जो जवाहर नगर, सब्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री हर कृष्ण ककर, सुपुत्र श्री भगवान दास ककर,
(2) श्रीमती रामीन्द्र ककर, पत्नी श्री हर कृष्ण ककर, निवासी 39-ए, मलका गंज, दिल्ली-7। (अन्तरक)

2. श्री राज कुमार जैन, सुपुत्र श्री वजीर सिंह जैन,
(2) श्रीमती राज कुमारी जैन, पत्नी श्री राज कुमार जैन, निवासी 35-यू.ए., जवाहर नगर सब्जी मण्डी दिल्ली। (अन्तरिती)

3. (1) श्री बिहारी लाल, (2) श्री आर० एल० सुमन,
(3) श्री लक्ष्मण सिंह, (4) श्री इन्दा सैन पाण्डे, (5) श्री प्रेमनाथ भास्कर तथा (6) श्री गोस्वामी। (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला बिल्डिंग जोकि करीब 160 वर्ग गज फ्रीहोल्ड प्लॉट पर बनी हुई है जिसका नं० 35 यू.ए. है, जायदाद नं० 6011 है, जवाहर नगर, वार्ड नं० 12, सब्जी मण्डी, दिल्ली में है। यह बिल्डिंग निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० 36 पर बिल्डिंग
पश्चिम : रोड 20 फुट
उत्तर : रोड 20 फुट
दक्षिण : रोड 15 फुट

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्ज रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1161/76-77---

यतः, मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० डी-1/5 है तथा जो कृष्ण नगर, शाहदरा,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शान्ती आनन्द, विधवा पत्नी श्री सोम सुदर्शन
आनन्द, स्वयं तथा कुमारी सोनिया आनन्द तथा कुमारी सीमा
आनन्द के लिए प्राकृतिक संरक्षक के रूप में, निवासी डी-1/5,
कृष्ण नगर, दिल्ली-51। (अन्तरक)

2. श्री प्यारा लाल आनन्द, सुपुत्र श्री मेला राम, निवासी
डी-1/5, कृष्ण नगर, दिल्ली-51। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि 112-1/2 वर्ग गज क्षेत्रफल के
प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० डी-1/5 है, कृष्ण नगर, शाहदरा,
दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मकान नं० डी1/6

पश्चिम : मकान नं० डी-1/5

उत्तर : रोड

दक्षिण : श्री प्यारा लाल का मकान

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 1 अप्रैल 1976

निर्देशनं० आर० ए० सी०-2/76-77:—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉटनं० 26, है जो एस० पी० रोड़, में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
2-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हृषमनु निसा बेगम 2) जयन्त रायण मिश्रा
एस० पी० रोड़, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. श्री आर० पी० रंगराव 10-3-175 जोन्स रोड़, सिकन्दरा-
बाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 26, सरदार पटेल रोड़, सिकन्दराबाद क्षेत्र, 343
बर्ग गज।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज एरणाकुलम

दिनांक 6 मई, 1976

निर्देश सं० एल० सी० 64/76-77—यतः मुझे, एस० एन०

चन्द्रचूटन नायर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम जिला में एरणाकुलम विल्लेज में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में, राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—86 GI 76

1. (1) श्री सी० शंकरा मेनोन (2) सी० लक्ष्मीकुट्टी अम्मा (3) सी० रामचन्द्रमेनोन (4) सी० ब्रह्ममूर्ति (शंकरा मेनोन के द्वारा) (5) सी० हरि कुमार (शंकरा मेनोन के द्वारा) (6) सी० राधे (7) सी० विजयराखन । (अन्तरक)

2. श्री एन० आर० हरिदास, नाययणाविलासम, कार्टिलला देम एरणाकुलम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एरणाकुलम जिला में एरणाकुलम विल्लेज कं० Sy. No. 395 में स्थित 13 $\frac{3}{4}$ सेंट्स भूमी और मकान ।

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 6-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

1. श्रीमती अति विशेष धन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र

लखनऊ, दिनांक 3 मई, 1976

निर्देश सं० 22-एच/अर्जन—अतः मुझे, एफ० रहमान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो कानून गोयान, प्रेम नगर बरेली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री हासा नन्द व अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान जो कि कानून गोयान, प्रेम नगर, जिला बरेली में स्थित है।

एफ० रहमान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 3-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 मई, 1976

निर्देश सं० 47-के/अर्जन—यतः, मुझे, एफ० रहमान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है तथा जो मैकैनियर रोड, बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-9-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच तथैव अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती शान्ति देवी व अन्य (अन्तरक)

2. श्री करन सिंह व अन्य (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान जो कि मैकैनियर रोड जिला बरेली में स्थित है।

एफ० रहमान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 3-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 892-ए०/अर्जन/सहारनपुर/75-76—अतः

मुझे, विजय भागवा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्वीकरता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में राजस्वीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रेषित—

1. श्रीमती मुसम्मात ललता देवी बेबा स्व० देवेन्द्र कुमार बहसिमत बलीया कुदरती व मादर हकीकी 110 मुन्नु बालिंग पुत्र देवेन्द्र कुमार और कुमारी अनुराधा व कुमारी वन्दना नाबालिंग पुत्रियां स्व० देवेन्द्र कुमार नि० अन्सारी रोड सहारनपुर (अन्तरक)

2. मैसर्स कपूर इन्जीनियरिंग वर्क्स रेलवे रोड सहारनपुर बजरिए श्री रणवीर कुमार कपूर पिंकर लाल जगदीश राम कपूर पार्टनर फर्म साकिन, गिल कलौनी, सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति दुकान ग्राउन्ड फ्लोर और खाली भूमि इस के पीछे जिसका विवरण फार्म 37-जी० न० 4564 में दिया गया है और जो रेलवे स्टेशन रोड, जिला सहारनपुर में स्थित है, 29-000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भागवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 23-4-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० 893-ए०/अर्जन/सहारनपुर/75-76--अतः,
मुझे, विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
4-9-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री यशवीर कुमार पिसर स्व० देवेन्द्र कुमार असल बजात
खुद व बहैसियत मुख्तार खास मिनजानिन संजीव कुमार मजफूर
साकिन हाल अन्सारी रोड, सहारनपुर पुत्र स्व० देवेन्द्र कुमार
(2) दिनेश कुमार पुत्र देवेन्द्र कुमार नि० उपरोक्त
(अन्तरक)

2. मैसर्स कपूर इंजीनियरिंग वर्क्स, रेलवे रोड, सहारनपुर
बजार्ग श्री रणवीर कुमार कपूर पिसर जगदीश राम कपूर, पार्टनर
फर्म मजफूर, साकिन गिल कालोनी, सहारनपुर. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति दुकान ग्राउन्ड फलौर और खाली भूमि उस के
पीछे जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी० नं० 4565 में दिया
गया है और जो रेलवे स्टेशन रोड, जिला सहारनपुर में स्थित है,
29,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 23-4-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 894-ए०/अर्जन/सहारनपुर/75-76—अतः,
मुझे, विजय भार्गवा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी ग० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनु-
सार स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
4-9-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती सुनीता देवी जीजा डा०, राम कुमार संघल दुखतर
स्व० श्री देवेन्द्र कुमार साकिन कस्बा चिलवानी डा० खास, परगना
सुलतानपुर, तह० नकुड़, जिला, सहारनपुर। (अन्तरक)

2. मैसर्स कपूर इंजीनियरिंग वर्क्स रेलवे रोड, सहारनपुर,
वज्रिए श्री रणधीर कुमार कपूर पिसर लोला जगदीश राम कपूर
फर्म मजफूर साकिन जिला कालौनी, सहारनपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अन्तर्गत संपत्ति दुकान और भूमि जिस का विवरण कालम नं० 3
फार्म 37-जी० नं० 4570 में दिया गया है और जो रेलवे स्टेशन रोड,
सहारनपुर में स्थित है 10,000 रु० मूल्य में हस्तांतरित किया
गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 23-4-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1976

[निदेश सं० 895-ए०/अर्जन/सहारनपुर/75-76:—अतः, पुत्रं,
विजय भार्गवा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसके उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और रजिस्ट्रारकी प्राधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
4-9-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित स्थितियों, अधीन :-

1. श्रीमती ललना देवी देवा, स्त्री श्री देवेन्द्र कुमार
साकिन हाल अनसारी रोड, सहारनपुर । (अन्तरक)

2. मैसर्स कपूर इंजीनियरिंग वर्क्स रेलवे रोड बजरिए श्री
रणवीर कुमार कपूर पिसर लाल जगदीश राम कपूर पार्टनर फर्म
साकिन गिल कालोनी, सहारनपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति दुकान और भूमि जिसका विवरण बालम नं०
3, फार्म 37-जी० नं० 4571 में दिया गया है और जो रेलवे
स्टेशन रोड, सहारनपुर में स्थित है, 10,000 रु० मूल्य में अस्तान्त-
रित किया गया है ।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 23-4-76
मोहर :

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 57/76-77—यतः, मुझे,
के० एस० वैकटरामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 3-6-181 से 200 है जो बूसारेडुगुडा में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15-9-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
भारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जयलक्ष्मी हाउसींग सोसायटी, 64 शान्ती नगर हैदराबाद ।
(अन्तरक)

2. (1) जी इश्वरय्या (2) जी० वेंकटालक्ष्मी (3)
जी० रमेश (4) जी० एन० किशोर, 1 (5) जी० शिवकुमार,
सिकन्दराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि तथा ईमारत जिसका क्षेत्रफल 10132 वर्ग गज जिसका
नगर पालिका सं० 3-6-181 से 200, बूसारेडुगुडा, सिकन्दराबाद ।

के० एस० वैकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 24-4-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 58/76-77—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-338 से 341 है जो गनफौंडरी में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-9-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10—86 GI/76

- 1 (1) श्रीमती झहीरा बेगम पत्नी स्व० मोहम्मद नासिर
- (2) श्रीमती सिराजुन्नीसा बेगम
- (3) श्री हुसेन बिन नासीर
- (4) श्रीमती समीदा बेगम
- (5) श्री हाजी मोहम्मद मोहसिन बिन नासिर
- (5) श्री अली बिन नासीर
- (7) श्री हुसन बिन नासीर
- (8) कुमारी ऐशा बेगम
- (9) मोहम्मद बिन नासीर
- (10) अहमद बिन नासीर अवस्थक, पालक श्रीमती सिराजुन्नीसा
बेगम—किंग कोटी बरकास, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री इफतीखार मेहदी खान पुत्र निसार मेहदी खान
3-6-782, हिमायत नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-9-338 से 341, जिसका क्षेत्रफल 220 वर्ग गज,
जो गनफौंडरी, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 24-4-76

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1976

सं० आर० ए० सी० 59/75-76:—यतः, मुझे, के० एम०
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 7/351/ए० है, जो सुबेदारपेट में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नेल्लूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 15-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

बापटिस्ट चर्च प्रायवेट लिमिटेड

1. (1) एल० एफ० क्रोल पुत्र जोगफ एच० एच० क्रोल नई
आवादी रोड, किल पाक, मद्रास-10। (अन्तरक)

2. (1) एम० नरसिम्हाराव

(2) वाय० वेंकट प्रभाकर राव

(3) सी० एच० वीर राज्य लक्ष्मी पत्नी सी० वी राव

बेलांगी मोजा पूर्व गोदावरी, जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नं० 7-351-ए०, जो 758 अंकणम् जो सुबेदार पेट नेल्लूर
में स्थित है।

के० एम० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 24-4-76

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1976

सं० आर० ए० सी० 60/76-77:—यतः, मुझे, के० एस०

वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 3-6-106/1 है जो हिमायत नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती फैजुन्नीसा बेगम पत्नी खाजा नसरुल्ला
3-6-106/1, हिमायत नगर। (अन्तरक)

2. (1) श्री हुसमुद्दीन (2) सगोरा बेगम 5-3-844,
मालकुटा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-6-106/1, हिमायत नगर, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 24-4-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1976

सं० आर० ए० सी० 61/76-77—यतः, मुझे, के० एस०
वैकटरामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 है जो बशीरबाग में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-9-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दीना नाथ मोदी पुत्र हनुमान दास मोदी 21-2-624,
उर्दू शरीफ, हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्री एस० पी० राठी पुत्र स्व० रामगोपाल राठी 20-2-
104, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन 500 वर्ग गज, प्लॉट नं० 2, बशीर बाग,
हैदराबाद ।

के० एस० वैकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 24-4-1976
मोहर :

रूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1976

सं० आर० ए० सी० 63/76-77:—यतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1-2-7 और 1-2-7/1 है जो मनफौंडरी में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-9-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त
अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अद्य 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती बी० डी० इटालिया, पार्सी गल्ली, तिलक रोड़,
हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्री यू० बी० शर्मा और पी० आहिल्या 1-2-7/3, बानू
कालोनी, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सं० 1-2-7 पहला मंजला और 1-2-7/1 का पहला मंजला
का पूर्वि भाग जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज, तथा 390 वर्ग
गज जो, बानू कालोनी हैदराबाद में स्थित है ।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 24 अप्रैल, 1976 ।
मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1976

सं० आर० ए० सी० 62/76-77:—यतः, मुझे, के० एस०
वेंकटरामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 1-2-7 और 1-2-7/1 है जो हैदराबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
3-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ।

यतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती बी० एम० इटालिया, 1-2-7 पारसी गल्ली
तिलक रोड़, हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्रीमती के० कामेश्वरम्मा, यल्लारेड्डी गुडा, हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 1-2-7, और 1-2-7/1, तल मजले पर, प्रमोद कालनी,
हैदराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 24-4-76

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 3 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ए० सि-235/आर-IV/कल०/76-77—अतः मुझे, ए० के० बतव्याल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पि-12 है तथा जो सि० आई० टि० स्कीम 'एल', कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पन्ना देवी (अन्तरक)
2. मेमर्स बैजु चौक प्रोपार्टिज (अन्तरिती)
3. 1. जनता जलपान, 2. नन्दलाल एन्ड ब्रदर्स, 3. इन्दिरा देवी, 4. कनैया लाल दूगर, 5. देब नाथ सेन, 6. कल्पतरू कलर कं०, 7. जानुभाई और केसोरी राय, 8. सुन्दर लाल महेश्वरी, 9. पदम चंद राम पुरिया, 10. प्रेम कुमार ओम प्रकाश, 11. ऐन० जी० राय एन्ड सन्स, 12. मोहन लाल कोचर, 13. शाम सुन्दर शाहा 14. हजारी लाल अग्रवाला, 15. साधु राम

अग्रवाला, 16. ओसवाल वाच कं०, 17. राधा-किशन गुप्ता, 18. राधा किशन गुप्ता, 19. पवन कलाथ स्टोर्स, 20. विश्वनाथ अग्रवाला, 21. जनता टेलर्स, 22. शेखर चन्द जैन, 23. भवरलाल तुलाराम, 24. बलाई लाल शर्मा, 25. शंकर विलास शाह, 26. अशर अलि मल्लिक, 27. लक्ष्मी नारायण स्टोर्स, 28. मदन मोहन शाहा, 29. हनुमान दास अग्रवाला, 30. गोपी चंद अग्रवाला, 31. बि० आर० गुप्ता, 32. हरि सी० जैन, 32. राम सागर शाह, 34. अब्दुल हनान थानदार, 35. शुजा-उद्दिन, 36. हरि किशन गुप्ता, 37. जय भगवान गुप्ता, 38. नारायण दास चन्द्रक, 39. प्रिभिचन्द्र नरेन्द्र कुमार, 40. जे० आर० लखोटिया 41. दाल चन्द बचवान, 42. विश्वनाथ चौधरी, 43. विश्वनाथ चौधरी 44. न्यू भारत लक्ष्मी होसियारी, 45. शैरत बख्श आली एन्ड ब्रदर्स, 46. जैयन्तल आबेदीन एन्ड ब्रदर्स, 47. बालेश्वर शाह एन्ड जोगेश्वर शाह, 48. मेसर्स शान्ती कुमार कोठारी, 49. शुभेन्दु कुन्डु, 50. हनुमान दास मुन्ध्रा ।

(वह व्यक्ति, जिनके अभिभाग में सम्पत्ति है)

4. सर्वश्री मोतिलाल कनोरिया और सुरेन्द्र कुमार कनोरिया

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रेमिसेस सं० पि-12, सि० आई० टि० स्कीम 'एल', कलकत्ता में एक मंजिला मकान साथ राजस्व मुक्त 8 कट्ठा 15 छटाक 5 स्को० फिट के परिमाण जमीन ।

ए० के० बतव्याल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV
54 रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

दिनांक : 3-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार,

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० IX/1/16(सितम्बर)/75-76—यतः मुझे, जी०

रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 18, ताता मुलीयप्पन स्ट्रीट/82, नाट्टुपिल्लैयार कार्डिल स्ट्रीट, मद्रास है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 6596/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री टी० के० तान्दवकृष्णन, मद्रास-28 (अन्तरक)

2. श्रीमती एम० कमलाकशी भाय, मद्रास-24 (अन्तरिती)

3. सर्वश्री (1) शन्मुगम, (2) पोन्नया, (3) सुलेका बीबी (4) संगु मोहमद, (5) कन्नन टी शाप, (6) चन्द्र-सकरन (7) वेलू नायकर, (8) राजगोपाल चेट्टी और आदि। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1, सर्वे सं० 6743, डोर सं० 18, ताता मुलीयप्पन स्ट्रीट/82, नाट्टु पिल्लैयार कार्डिल स्ट्रीट में एक प्राउन्ड और 1859 स्क्वियर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 15-5-1976

मोहर : ॥

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 27 फरवरी 1976

निर्देश सं० ए-123/टिन/75-76/4229-36—यतः मुझे,

एगवर्ट सिंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० इस पर दी गई है तथा जो टिनसुकिया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 सितम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

ख ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
11—86GI/76

1. 1. सर्वश्री मोहन कहार, 2. सिताराम कहार
कानापुकरी, टिनसुकिया । (अन्तरक)

2. श्री कृष्णा कुमार राय, चेम्बर रोड (बशबाजार के नजदीक) टिनसुकिया । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर और जमीन की माप लगभग 2 कट्टा 1 3/4 लेछा जिसकी असली पट्टा सं० नहीं है नं० 12 (पुराना), 408 (पुराना) 1109 (नया) दाग नं० 2100 (पुराना)/4752 (नया) नापु-करी टिनसुकिया मौजा में है ।

एगवर्ट सिंग
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक : 27-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1976

निर्देश सं० अ० इ० 2/2054/3953/75-76—यतः मुझे,
एम० जे० माथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 15,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी० टी० एन० सं० एच/385, 391 अंतिम
प्लॉट सं० 6, टी० पी० एन० सं० 4 है, जो दांडा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29 सितम्बर
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आगितियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1912
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या कथित जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात्:—

1. श्रीमती मंगलागोरी नर्मदाशंकर रावल, श्रीमती कुंदन
गौरी इच्छाशंकर व्यास श्री रमेश आर० रावल, श्री नरेन्द्र आर०
रावल और श्री राजेन्द्र आर० रावल, (अन्तरक)

2. श्री आम्बालाल मंगललाल पटेल, जयंतीलाल मंगललाल
बिस्किटवाला (अन्तरिती)

3. इस नोटिस की अनुसूची 'ए' के अनुसार 30 किराएदार

1. भरतकुमार ए० जानी, 2. एम० वाय वखारकर 3. छबिल-
दास छोटालाल पटेल, 4. मोहनलाल बी० चिमोदा, 5. प्रागजीभाई
बी० चिमोदा, 6. श्रीमती पदमाबेन सी० शाह, 7. कांतीलाल एन०
शाह, 7. जयंतीलाल एम० शाह, 9. प्रेमजीभाई यू० शाह, 10.
कांतीलाल एम० शाह, 11. जसूभाई एन० शाह, 12. रवीशंकर जे०
जोशी, 13. प्रवीणचंद्र बी० देसाई, 14. रजनीकांता एम० पारीख,
15. श्रीमती भानूबन ए० तोसानी, 16. जयंतीलाल एम० घुपेलिया
17. भोगीलाल एन० देसाई, 18. श्रीमती के० बी० धनुवाला,
19. चिमणलाल डी० शाह, 20. कांतीलाल सी० मेहता, 21.
छबिलदास छोटालाल पटेल, 22. जे० एम० सावंत, 23. केदारलाल
डी० व्यास, 24. चिमणलाल डी० अमीन, 25. उपेन्द्र अम्बालाल
काका, 26. काशीभाई कालीदास पटेल, 27. जयंतीलाल एम०
शाह, 28. धीरजलाल एम० गागलानी, 29. रेवाशंकर पी० जोशी,
30. हरीशंकर पी० पंडया ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में रजिस्ट्रेशन जिला और
उपजिला के अंधरी तालुका में सजा दांडा में स्थित जमीन अथवा
मदान और उस पर बनी गृहवाटिकाएं टेन-इ-मेंट (मकान) या
निवासी घर तथा उनमें लगे सभी पेड़ और कुएं इत्यादि सहित वह
तमाम भाग अथवा खंड जिसका सी० टी० एन० बांदा संख्याएं
एच/387, एच/389 है, और फायनल प्लॉट सं० 5 (ओरिजिनल
प्लॉट सं० 82) या टी० पी० एन० सं० 4 सांताक्रुज है, तथा जो
पैमादृश में 3192 वर्गगज अर्थात् 2669 वर्गमीटर या उसके बराबर
है, वह इस प्रकार से घिरा हुआ है कि पूर्व और उत्तर में (प्राइवेट
पैसेज) निजी रास्ता है, दक्षिण में प्रापर्टी है, जिसे महेश्वर न्हिला
के नाम से जाना जाता है और पश्चिम में स्वामी विवेकानंद मार्ग
है, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर मार्ग है, और पूर्व में अथवा पूर्व
की ओर एक सड़क है :

एम० जे० माथन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक : 14 मई, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० अ० इ० 2/2060/4049/75-76—यतः मुझे,
एम० जे० माथन

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 9, सं० नं० 287 (अंश) सीटी सं० नं० 159 जे० ब्रेव्ह स्कीम है, जो विले पार्ले (पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बांद्रा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29 सितम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सर्वश्री 1. रमणलाल गिरधरलाल शाह, 2. रमेश रमणलाल शाह, 3. उपेन्द्र रमणलाल शाह (अन्तरक)
2. श्री हरीश जयंतीभाई पटेल (अन्तरिती)

3. सर्वश्री 1. मनुभाई मेहता, 2. हर्षदभाई टी० शाह, 3. गिरधरलाल गांधी, 4. अशोक भाई एम० पटेल, 5. धीरजलाल मेहता। (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बृहतर बम्बई में बम्बई उपनगर जिला के रजिस्ट्रेशन उपजिला बांद्रा में विलेपाले में उत्तर-दक्षिण रोड सं० 4 पर स्थित एवं अवस्थित जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग जो कि पट्टेपर (लीज-होल्ड) है, वह पैमाइश में 534 वर्गगज अर्थात् 448.56 वर्गमीटर अथवा उसके समकक्ष है और बल्लभ नगर को० आ० हा० सो० लि० की प्लॉट सं० 9 है और वह भूराजस्व के कलक्टर की पुस्तकों में 287 (पार) सीटी सर्वेक्षण सं० 159, जूहं डेहलप-मेंट स्कीम विलेपाले के अधीन पंजीकृत है, और इसका निर्धारण बृहतर बम्बई की म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के म्युनिसिपल दर और कर के असाइनर और कलेक्टर में 'के' वार्ड सं० 8186(9) स्ट्रीट सं० 24, जुहु विले पार्ले प्लॉट सं० 9 के अधीन किया है और वह इस प्रकार से घिरा हुआ है कि :

पूर्व में अथवा पूर्व की ओर बल्लभ नगर को० आ० हा० सो० लि० की 40 फुट चौड़ी सड़क है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर बल्लभ नगर को० आ० हा० सो० लि० की प्लॉट सं० 8 है, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर बल्लभ नगर को० आ० हा० सो० लि० की 60 फुट चौड़ी सड़क है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर बल्लभ नगर को० आ० हा० सो० लि० की प्लॉट सं० 10 है।

एम० जे० माथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक : 15 मई, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मई 1976

निर्देश सं० आई-1/1315-7/सितम्बर 75—यत्, मुझे,
व्ही आर० अमिन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० सी० एस० 1970 माहीम डिब्रीजन है, जो प्लॉट
नं० 630, टी० पी० एस० नं० III, है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), माहीम रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10 सितम्बर, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मैसर्स ए० सी० इस्टर्न इनकार्पोरेटेड (अन्तरक)

2. श्रीमती शुशिला के० विजन और श्री त्रिलोक कुमार के०
विजन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और 'दों' की, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई में लेडी जमशेदजी रोड, पर स्थित तथा अवस्थित वह
तमाम भूखंड अथवा भूभाग जिसका टाउन प्लानिंग स्कीम 3 माहीम
का प्लॉट नं० 630 है, कलक्टर का नया सर्वेक्षण नं० 23-25
(पार्ट) सी० एस० 1970, माहीम डिब्रीजन है, पैमाइश में 574
वर्गमीटर यानी कि 687 वर्गगज के लगभग है और जिसका निर्धारण
बम्बई महानगर निगम द्वारा जी-वार्ड नं० 4945, स्ट्रीट नं० 273,
लेडी जमशेदजी रोड के अधीन किया गया है, जिसकी सीमाएं इस
प्रकार घिरी हैं कि पूर्व में अथवा पूर्व की ओर टी० पी० एस० III
माहीम की प्लॉट नं० 629 है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर
टी० पी० एस० III माहीम की प्लॉट सं० 632 है, उत्तर में उत्तर
की ओर 50 फीट चौड़ा रास्ता दूरवर्ती (आफ) लेडी जमशेदजी
रोड है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर टी० पी० एस० III,
माहीम की प्लॉट सं० 635 है।

व्ही० आर० अमिन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11 मई 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० अ० इ० 1/1355-33/सितम्बर 75—यतः,
भले, व्ही० आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 48 गिरगांव डिह्लूजन है, जो
क्वीन्स रोड के पूर्व बाजे में स्थित है (और इससे उद्घाटन अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिवारी के कार्यालय,
बम्बई, में स्थित रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक, 22 सितम्बर, 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) सर्वश्री 1. घिसालाला डी० अग्रवाल उर्फ गोयल, 2.
प्रभातीलाला आर० अग्रवाल (अन्तरक)
(2) सर्वश्री 1. पेटे एम० जी०, 2. भगवान दास एच० शहा,
3. नितिन कुमार बी० शहा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

बम्बई नगर के रजिस्ट्रेशन जिला और उपजिले में क्वीन्स रोड
की पूर्व की ओर स्थित जर्मन का वह तमाम भाग जो कि पैमाइश
में लगभग 211.85 वर्गगज अर्थात् 178 वर्गमीटर के बराबर है,
और इस प्रकार से घिरा हुआ है कि उत्तर-पूर्व में अथवा उत्तर-पूर्व
की ओर मोरोबा धनजी राउत और अन्य की प्रापटी है, जिसका
कंडास्टूल सर्वेक्षण सं० 49 है, उत्तर-पूर्व में अथवा उत्तर पूर्व की
ओर सरकारी रास्ता है, दक्षिण-पूर्व में अथवा दक्षिण-पूर्व की ओर
प्रापटी है जो कि बायरामजी, जी.जी.भाय पारसी चारिटेबल इन्स्टि-
ट्यूशन के न्यासीयों (ट्रस्टियों) के अधिभोग (आक्युपेशन) में है
और दक्षिण-पश्चिम में अथवा दक्षिण-पश्चिम की ओर सरकारी
जमीन है और उसके पीछे क्वीन्स रोड है और जर्मन का ऊपर
कहा गया भाग बम्बई के कलेक्टर की पुस्तकों में कलेक्टर रेट रोलड
में सं० 8351 के अंतर्गत पंजीकृत है, और उसकी गिरगांव डिह्लूजन
की कंडास्टूल सर्वेक्षण सं० 48 है, उन सभी बिल्डिंग और स्ट्रक्चरस
सहित जो कि उस पर वर्तमान हैं, और इसका निधिरण म्युनिसिपल
दर और कर के कलेक्टर द्वारा वार्ड सं० 14 (ई) वार्ड सं० 1466
(2) स्ट्रीट सं० 31-31 ए क्वीन्स रोड, (मकान और दुकानों
सहित भवन) के अधीन किया गया है ।

व्ही० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 15 मई 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1976

निर्देश सं० अ० इ० सं० 3/855/सितम्बर 75—यतः, मुझे,
आर० जी० नेहरूकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० ए० 1 (अंश) है, जो कांदीवली गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रेशन रजिस्ट्रार का कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 सितम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति या उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्येयस्थों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती ललताबेन एल० लोखंडवाला, (2) श्रीमती आशा बी० शाह, (3) श्री हरीश एल० लोखंडवाला, (4) श्री मनीष एल० लोखंडवाला, (5) श्री चेतन एल० लोखंडवाला 'महावीर' तीसरी मंजिल, रिज रोड, बम्बई-61 (अन्तरक)

2. मैसर्स किशोर बिल्डर्स प्रा० लि०, 216, कामर्स हाउस, दूसरी मंजिल, 40, मेडोज स्ट्रीट फोर्ट, बम्बई-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और बम्बई उपनगर रजिस्ट्रेशन जिला और उप-जिला में कांदीवली में धानुकर वाडी में प्लॉट सं० ए-1 (पार्ट) में स्थित जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा खंड जो कि माप में 1786 वर्गगज अर्थात् 1482.38 वर्गमीटर या उसके समकक्ष है, और जिसका 'आर' वार्ड संख्या 2281(2) स्ट्रीट सं० ए-1, दत्त मंदिर रोड, धानुकर वाडी, कांदीवली है, और जिसके उत्तर में प्लॉट सं० ए-1 (पार्ट), पश्चिम में सर्वेक्षण सं० 87, पूर्व में दत्त मंदिर मार्ग और दक्षिण में प्लॉट सं० ए-2 है।

आर० जी० नेहरूकर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 3 मई 1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई, 1976

निर्देश सं० अ० इ० 2/2044/3841/75-76—यतः मुझे,
एम० जे० माथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट सं० 13 टी० पी० एस० 2 है, जो जूह में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रकर्ता अधिधारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
13 सितम्बर, 1975 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था, या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती वसुमती बाबलचंद केशवलाल मोदी
(अन्तरक)
2. श्री विजय सुभ निवास को० आ० हा० सो० लि०
(अन्तरिती)

3. 1. श्री मनोहर लाल आजाद
श्री भगवान दास के पुत्र
2. श्री कौशल भारती गौतमराम कौशल के पुत्र
3. श्री रामसिंग गुलाटी कौशल सिंग गुलाटी के पुत्र
4. श्रीमती जसबीर कौर बाबा इशार सिंग की पुत्री
5. श्री जोगिंदर सिंग आनंद जय देव सिंग के पुत्र
6. श्री राजेंद्र पाल सिंग चावला महताव सिंग चावला
7. श्री कांतीलाल नारायण दास देवनाजी
8. श्री मदनलाल गुप्ता हंसराज गुप्ता के पुत्र
9. कुमारी मेक्सी पिंटो श्री लिगौरी पिंटो
10. कुमार कस्तुरी पुत्रन मि० एस० ए० पुत्रन की पुत्री
11. श्री मेहताव सिंग कौशल सिंग गुलाटी
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में रजिस्ट्रेशन जिला और
उपजिले में जूह पर स्थित वह तमाम जमीन अथवा मैदान और उस
पर बनी इमारतों का वह तमाम भूभाग जो कि पैमाइश में 613
वर्गगज अर्थात् 512.468 वर्गमीटर या उसके बराबर है, वह
टाउन प्लानिंग स्कीम सं० 2, सांताक्रुज की प्लॉट सं० 13 का उत्तरी
भाग है, और इस प्रकार से घिरा हुआ है कि दक्षिण में अथवा
दक्षिण की ओर कथित प्लॉट सं० 13 का अन्य भाग है,
पूर्व में अथवा पूर्व की ओर खजान लैंड है और पश्चिम में अथवा
पश्चिम की ओर कथित स्कीम का 25 फुट चौड़ा रास्ता है, प्रापटी
का सी० टी० एस० सं० 1013 है।

एम० जे० माथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 14 मई, 1976
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस आर-III/सितम्बर (13)/938/75-76—यतः मुझे, एस० सी० पारीजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसका सं० बी-260 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 सितम्बर, 1975

को बोधत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० यूनाईटेड लि०, 40-एफ, क्वाटर प्लैस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. (1) श्री मोहम्मद युसुफ (नाबालिग) (2) मोहम्मद इकबाल (नाबालिग) सुपुत्र श्री गुलाम मोहम्मद तरमब, इनके पिता तथा प्राकृतिक संरक्षक श्री गुलाम मोहम्मद तरमब के द्वारा (3) श्रीमती पोशा बेगम, पत्नी गुलाम मोहम्मद तरमब, सभी निवासी 6, राज बाग, श्रीनगर (काशमीर) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-260 जिसका क्षेत्रफल 314 वर्ग गज है, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली के या कूतपुर गांव, दिल्ली के यूनियन टैरिटरी में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० बी-260ए, ग्रेटर कैलाश-1

पश्चिम : रोड़

उत्तर : रोड़

दक्षिण : सर्विस लेन

एस० सी० पारीजा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 17-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 392/अर्जन/कानपुर/75-76—यतः मुझे, विजय
भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5
अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

12—86GI/76

1. श्री (1) विद्या सागर, (2) श्री प्रेम सागर निगम पुत्र
स्व० सीता राम, निवासी 109/404 ए० व बी० नेहरू नगर,
कानपुर। (अन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह पुत्र सरदार सुन्दर सिंह साकिन, 118/
10, कौशलपुरी, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूकान नम्बर 110/131, जो राम कृष्ण
नगर, कानपुर में स्थित है और जो प्लॉट नं० 76 पर बना हुआ है
और जिसका क्षेत्रफल 356 वर्ग गज है, 40,000 रु० मूल्य में
हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 13-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 898/अर्जन/गाजियाबाद/75-76/88—यतः मुझे,
विजय भार्गवा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि रखावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनु-
सार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 21 अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तेज राम पुत्र श्री जय नारायण निवासी मोहल्ला
सोहन लाल, गाजियाबाद, जिला मेरठ। (अन्तःक)

2. (1) श्री हरीचन्द (2) श्री श्रीचन्द पुत्रान ला०
बाबू राम निवासी 28 चन्द्रपुरी, गाजियाबाद, जिला मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रखावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नम्बर 21 और 22, क्षेत्रफल 400 वर्ग
गज जो चन्द्रपुरी, गाजियाबाद में स्थित है, 30,000 रु० मूल्य में
हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 13-4-1976

मोहर :

सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान

(परीक्षा स्कंध)

विज्ञापित

श्रेणी III आणुलिपिक परीक्षा, 1976

नई दिल्ली, दिनांक 29 मई 1976

सं० 13/1/76-प्रबन्ध—भारत सरकार के अधीन भिन्न-भिन्न सेवाओं/पदों की अस्थायी रिक्तियां भरने हेतु सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, नई दिल्ली के परीक्षा स्कंध द्वारा 28 दिसम्बर, 1976 को अगरतला, अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, दार्जिलिंग, दिल्ली, गौहाटी (दिसपुर), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, रायपुर, रांची, त्रिवेन्द्रम, उदयपुर तथा विदेश में स्थित कुछ चुने हुए भारतीय दूतावासों में श्रेणी III आणुलिपिक परीक्षा, 1976 ली जायेगी।

2. पात्रता की शर्तें :

(क) आयु सीमायें :—उम्मीदवार की आयु 1 जनवरी, 1976 को 18 और 25 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। उपरी आयु सीमा में अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों, भूतपूर्व सैनिकों तथा कुछ अन्य विशेष श्रेणियों के उम्मीदवारों को छूट दी जाएगी।

(ख) योग्यताएं :—मैट्रिकुलेशन या समकक्ष।

3. वेतनमान :—रु० 330-10-380-द० अ०-12-500-द० अ०-15-560।

4. फीस :—12/- रु० (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के लिए 3/- रु०)।

5. पूरे विवरण तथा आवेदन पत्र उप-निदेशक, सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान (परीक्षा स्कंध) पश्चिमी खंड-1,

रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 से 1.00 रुपया (रजिस्ट्री द्वारा आवेदन पत्र मंगवाने के लिए 2.00 रुपये) के रेखित ('प्राप्त कर्ता लेखा') भारतीय पोस्टल-ऑर्डर जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान को रामकृष्णपुरम् (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली-22 पर देय हों, नाम और डाक पते की तीन पंक्तियों के साथ भेज कर अथवा संस्थान के बिक्री काउंटर पर नकद भुगतान करके प्राप्त कर सकते हैं।

6. भरे हुए आवेदन-पत्र संस्थान को 21 जुलाई, 1976 (विदेशों में तथा अंशमान एवं निकोबार द्वीप समूह में अथवा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए 4 अगस्त, 1976) तक अथवा पहुंच जाने चाहिए। उसके बाद प्राप्त होने वाले आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।

मदन लाल,
निदेशक (परीक्षा)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 मई 1976

शुद्धि-पत्र

सं० एफ० 2/9/75-प० 1 (ख)—भारत के राजपत्र दिनांक 21 फरवरी, 1976 में प्रकाशित संघ लोक सेवा आयोग के इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1976 के नोटिस के प्रारम्भ में "नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी, 1976" के स्थान पर, "नई दिल्ली दिनांक 21 फरवरी, 1976" पढ़ा जाए।

बी० आर० तलवार,
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd April 1976

CORRIGENDUM

No. A. 12025(ii)/1/75-Admn.III.—Paragraph 2 of this office notification of even number dated 26th March, 1976 stands deleted.

2. Paragraph 3 of the said notification shall be renumbered as paragraph 2.

P. N. MUKHERJEE

Under Secretary

(Incharge of Administration)

Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

ENFORCEMENT DIRECTORATE

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMN. REFORMS)

New Delhi, the 22nd April 1976

No. —Shri A. K. Banerjee is appointed to officiate as Chief Enforcement Officer in Jaipur Sub-zonal Office of this Directorate with effect from 29-3-1976 (FN) and until further orders.

S. B. JAIN
Director

New Delhi, the 14th April 1976

No. A-11/18/76.—Shri G. N. Lakhanpal Inspector of Income Tax Amritsar is appointed to officiate as Enforcement Officer in the Jullundur Zonal Office of this Directorate, with effect from 31-3-1976 and until further orders.

NRIPEN BAKSI
Deputy Director (Admn.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 20th April 1976

No. A-19036/5/76-AD-V.—Director, C.B.I. and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri T. N. Kapoor, Inspector of CIA(I) Branch on promotion as Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 31-3-1976 in a temporary capacity until further orders.

No. A-19036/6/76-Ad.V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Hoshier Singh, Inspector, Central Bureau of Investigation Jaipur Branch on promotion as Deputy Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 1-4-76 in a temporary capacity, until further orders.

No. A-19036/7/76-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri R. K. Swamynaidu, Inspector EOW, Madras on promotion as Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 1-4-76 in a temporary capacity, until further orders.

The 22nd April 1976

No. A-19036/8/76-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Kewal Singh, Inspector of Jammu Branch on promotion as Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 14-4-1976 in a temporary capacity, until further orders.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer (E)
C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DTE. GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 23rd April 1976

No. O.II-114/73-Estt.—Consequent on his repatriation to Army, Major Jagdish Raj, handed over the charge of the post of Asstt. Comdt., 1st Signal Bn, CRPF, New Delhi on the afternoon of 24th March, 1976.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 8th April 1976

No. E-16013(2)/3/76-Ad.I.—On transfer on deputation from Karnataka State Police Shri Jai Parkash IPS (Karnataka-1965) assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit Bhilai Steel Plant, Bhilai with effect from the Forenoon of 24th March, 1976.

The 15th April 1976

No. E-32015(2)/4/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint Lt. Col. Mukut Singh, as Commandant, Central Industrial Security Force Unit, F.C.I., Sindri with Headquarters at Sindri, on re-employment with effect from the forenoon of 30th March 1976, until further orders.

L. S. BISHT
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 21st April 1976

No. 11/4/76-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 11/7/75-RG(Ad.I) dated 8 September, 1975, the President is pleased to appoint Shri R. E. Choudhari, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra as Assistant Director of Census Operations in the same office on *ad hoc* basis, for a further period of four months with effect from the forenoon of 18 February, 1976 or till the post is regularly filled up, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Choudhari will continue to be at Bombay.

No. 11/4/76-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 11/7/75-RG(Ad.I) dated 8 September, 1975, the President is pleased to appoint Shri D. P. Chatterjee, Investigator in the office of the Director of Census Operations, West Bengal as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on *ad hoc* basis, for a further period of four months with effect from the forenoon of 19 February 1976 or till the post is regularly filled up, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Chatterjee will continue to be at Calcutta.

No. 11/4/76-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 11/7/75-RG(Ad.I) dated 16th September 1975, the President is pleased to appoint Shri H. L. Kalla, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Jammu & Kashmir, Srinagar as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, on *ad hoc* basis, for a further period of four months with effect from the forenoon of 1 March 1976, or till the post is regularly filled up, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Kalla will continue to be at Bhopal.

R. B. CHARI
Registrar General, India

New Delhi-110011, the 23rd April 1976

No. 6/1/74-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 6/1/74-RG(Ad.I) dated 25 August 1975, the President is pleased to continue the purely temporary and *ad hoc* appointment of Shri R. N. Talwar as Assistant Director (Programme), for the period from 1 March 1976 upto 31 August 1976 on the existing terms and conditions.

2. The President is also pleased to appoint Shri N. C. Sharma as Assistant Director (Programme) on a purely temporary and *ad hoc* basis, with effect from 21 February 1976 to 31 August 1976.

R. B. CHARI
Registrar General, India and
ex-officio Joint Secretary

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 20th April 1976

CORRIGENDUM

No. 68018(2)/71-AN-II.—Item 9 of the notification bearing even no. dated 7-11-72 in respect of Shri G. Ramamurthy, published in the Gazette of India vide page 1696, Part III Section 1 dated December 2, 1972 is cancelled.

Existing items 10 and 11 are re-numbered as 9 and 10 respectively.

S. K. SUNDARAM
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS &
EXPORTS

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
ESTABLISHMENT

New Delhi, the 23rd April 1976

No. 6/1020/74-Admn (G)/2611.—On attaining the age of superannuation, Shri C. K. Harchandani relinquished charge of the post of Controller of Imports & Exports in this office on the afternoon of 31st March, 1976.

P. K. KAUL
Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 22nd April 1976

No. 10(1)/73-75/CLB II.—In exercise of the powers conferred on me by clause 5(1) of the Cotton Control Order, 1955, I hereby make the following further amendment to the

Textile Commissioner's Notification No. 10(1)/73-74/CLB II, dated the 19th December, 1974, namely :—

In the said Notification :—

1. For Explanation (i), the following shall be substituted, namely :—

“(i) The average monthly consumption will be computed on the basis of manufacturers actual consumption during September, 1975/March 1976 as reported in the CST—H return submitted by the manufacturer to the Textile Commissioner.”

2. For Explanation (IV), the following shall be substituted, namely :—

“(IV) For the purpose of this Notification, Indian Cotton shall include all varieties of Indian Cotton.”

G. S. BHARGAVA
Joint Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 27th March 1976

No. A.19018/236/76-Adm(G).—The Development Commissioner Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri T. H. Williams, a substantive Small Industry Promotion Officer in the Branch Small Industries Service Institute, Agra, to officiate as Assistant Director (Grade II) in the Central Footwear & Training Centre, Agra (under Branch Small Industries Service Institute, Agra), on an *ad hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the Forenoon of 23-2-1976.

V. VENKATRAYULU
Deputy Director (Admn)

DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMN. SEC. A-6)

New Delhi, the 24th April 1976

No. A-17011(14)/71-A6.—The President is pleased to appoint Shri J. K. Khanna, Inspecting Officer in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Class I to Officiate as Deputy Director of Inspection in Engineering Branch of Grade II of the Service with effect from the forenoon of the 30th March 1976 until further orders.

Shri Khanna relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) in the office of the Director of Inspection Northern Inspection Circle, New Delhi on the forenoon of the 30th March, 1976.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL & MINES
(DEPARTMENT OF STEEL)
IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-700020, the 13th April 1976

No. I-12(2)/71.—Shri Pratap Kumar Roy, Junior Inspector, is hereby appointed to officiate in the post of Senior Steel Control Inspector with effect from April 1, 1976 (F. N.) *vice* Shri Nripendra Nath Sarkar, proceeded on earned leave upto 15-5-1976.

T. GHOSH
Iron & Steel Controller

(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 15th April 1976

No. 2251(TCM)/19B.—Shri T. C. Markose received charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd., in the same capacity with effect from the forenoon of the 19th January, 1976.

No. 2251(MLF)/19B.—Shri M. L. Fotedar received charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd., in the same capacity with effect from the forenoon of the 23rd January, 1976.

No. 2181(PKS)/19B.—The following Senior Technical Assistants (Chem.), Geological Survey of India are appointed on promotion as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the dates, shown against each, until further orders :

1. Shri P. K. Sen Gupta—22-3-1976.
2. Shri G. K. Mohla—19-3-1976.

No. 2222(BKS)/19A.—Shri Bijoy Kumar Srivastava, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 10th March, 1976, until further orders.

No. 2251(MFRH)/19B.—Shri Md. Fazlur Rahim Hyder-Drilling Assistant, Geological Survey of India is appointed as Driller in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 16-1-1976, until further orders.

No. 2251(PKRP)/19B.—Shri P. K. Ramchandra Panicker received charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd., in the same capacity with effect from the forenoon of the 16th January, 1976.

No. 264 (23/9)/19 A (Vol. III)/76—The following Senior Technical Assistants (Geology), Geological Survey of India are appointed on promotion as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders.

Sl. No.	Name of officer	Date of appointment
1.	Dr. Dilip Kumar Ray	18-3-1976 (F.N.)
2.	Miss Sibani Das Gupta	18-3-1976 (F.N.)

The 17th April 1976

No. 40/59/C/19A.—Shri D. P. Maity, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 29-3-1976, until further orders.

No. 40/59/C/19A.—Shri A. K. Gupta, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on *ad hoc* basis with effect from the afternoon of 31-3-1976, until further orders.

V. K. S. VARADAN
Director General

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 20th April 1976

No. 9/19/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri P. B. Joshi, Accountant, All India Radio, Parbhani to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Patna on *ad-hoc* basis with effect from 8-4-76 (F.N.).

The 23rd April 1976

No. 2/71/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri G. Ramalingam, Head Clerk, Television Centre, Madras to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Bangalore on *ad-hoc* basis with effect from 13-4-1976 (F.N.).

I. S. PANDHI
Section Officer
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 20th April 1976

No. 28-3/73-Admn-I.—The President is pleased to appoint Shri V. P. Bhasin to the post of Deputy Assistant Director (Assessment) in the National Malaria Eradication Programme, Delhi on an *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 31st March, 1976, and until further orders.

No. 17-19/75-Admn-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. Thulasiraman to the post of Prosecutor in the Directorate General of Health Services, New Delhi, on a temporary basis, with effect from the forenoon of the 24th March, 1976, and until further orders.

S. P. JINDAL
Dy. Director Administration (O & M)

New Delhi, the 22nd April 1976

No. 38-8/75-CHS. I.—Consequent on their transfer, the following C. II. S. Officers relinquished/assumed charge of their posts in the Airport Health Organisations with effect from the dates shown against each :—

Name and category of the post	Relinquished charge of the post of	Assumed charge of the post of
1. Dr. P. C. Roy, Airport Health Officer, Bombay (Specialist Grade of the CHS).	Airport Health Officer, Airport Health Organisation, Bombay on the afternoon of the 24th March, 1976.	Port Health Officer, Port Health Organisation, Bombay on the forenoon of the 25th March, 1976.
2. Dr. S. D. Vohra, G. D. O. Grade I of the CHS.	Port Health Officer, P. H. O., Calcutta on the afternoon of the 13th March 1976.	Airport Health Officer, A. P. H. O., Palam on the forenoon of the 22nd March 1976.
3. Dr. M. M. Mandal, G.D.O. Grade I of the CHS.	Research Officer, N. J. C. D., Delhi on the afternoon of the 11th March 1976.	Deputy Airport Health Officer, A. P. H. O., Palam on the forenoon of the 12th March 1976.

R. N. TEWARI
Deputy Director
Administration (CHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 20th April 1976

No. F.4-6(108)/76-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, New Delhi, Shri Ras Bihari Sana has been appointed by the competent authority to officiate as Assistant Marketing Officer, Group 1, in the Directorate of Marketing & Inspection at Calcutta, with effect from 15-3-76 (F.N.), until further orders.

V. P. CHAWLA
Director of Administration

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 18th March 1976

No. DPS/A/32011/2/75/1st.—Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Ram Avtar Gupta, a permanent Upper Division Clerk (Stores) and officiating Storekeeper in the Stores Unit (DPS), Narora Atomic Power Project as an Assistant Stores Officer, on an *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—40—1200 in the same Directorate with effect from the afternoon of February 7, 1976, *vice* Shri B. D. Kandpal, Asstt. Stores Officer, appointed as Stores Officer.

K. P. JOSEPH, Administrative Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 23rd March 1976

No. MAPP/9(1)/76(R).—Shri Rama Subramanian a permanent Stenographer in the Bhabha Atomic Research Centre and a temporary Superintendent in the Madras Atomic Power Project is appointed as Assistant Personnel Officer in the Madras Atomic Power Project in a temporary capacity on *ad-hoc* basis from the Forenoon of March 8, 1976 until further orders.

K. BALAKRISHNAN
Administrative Officer
for Director, PPED

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 21st April 1976

No. E(1)04261.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. Gopinatha Rao, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of *eighty-nine* days with effect from the forenoon of 1-4-76 to 28-6-76.

Shri Gopinatha Rao, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona.

The 22nd April 1976

No. E(1)07061.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. Rengarajan, Professional Assistant, Meteorological Centre, Trivandrum under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, who was appointed to officiate as Assistant Meteorologist upto 15-2-76 *vide* this Department Notification No. E(1)07061 dated 5-2-76 to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a further period of 17 days with effect from the forenoon of 16-2-76 to 3-3-76.

Shri Rengarajan Officiating Assistant Meteorologist remains posted to Meteorological Centre, Trivandrum under the Regional Meteorological Centre, Madras.

No. F(1)03705.—On attaining the age of superannuation, Shri S. C. Mojumder, Assistant Meteorologist, office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31st January, 1976.

G. R. GUPTA
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st April 1976

No. A.23022/1/75-FS.—Shri P. N. Mahajan, a permanent Administrative Officer in the Office of the Regional Director, Delhi relinquished charge of the post on 31-3-76 (A.N.), on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 13th April 1976

No. A.32013/6/75-FA.—The President is pleased to appoint S/Shri K. P. V. Menon, V. R. Vishwanathan and S. C. Joshi, to the grade of Aerodrome Officer, in the Civil Aviation Department, on regular basis with effect from the 2nd March, 1976, and until further orders.

The 15th April 1976

No. A.12034/4/76-FA.—Shri H. N. Pande, Senior Aerodrome Officer, Civil Aerodrome, Lucknow retired from Government service on the 31st March, 1976 (AN) on attaining the age of superannuation.

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

New Delhi-110022, the 15th April 1976

No. A.32013/10/75-EH(i).—The President has been pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri S. Venkasmay as Director of Equipment in Civil Aviation Department upto the 31st August, 1976 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A. 32013/10/75-EH(ii).—The President has also been pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri S. Mukhopadhyay as Deputy Director of Equipment in the Civil Aviation Department upto the 31st August, 1976, or till the vacancy is filled on regular basis, whichever is earlier.

T. S. SRINIVASAN
Asstt. Director of Administration

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 20th April 1976

No. A-19012/574/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri R. C. Aggarwal to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water Commission on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the afternoon of 20-2-1976.

Shri R. C. Aggarwal assumed charge of the post of Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Soil and Material Research Station, Central Water Commission, New Delhi, with effect from the above date and time.

The 21st April 1976

No. 14/238/62-Admn.V(Vol. IV).—The Chairman, Central Water Commission is pleased to accept the resignation tender-

ed by Shri Kimatrai Israni from the post of Extra Assistant Director, Central Water Commission with effect from 16-3-1976 (A.N.).

JASWANT SINGH
Under Secretary
for Chairman, C.W. Commission

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Roshini Hire Purchasing Company And Chitfund Private
Limited*

Jaipur, the 21st April 1976

No. STAT/1477.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Roshini Hire Purchasing Company And Chitfund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Sri Ganganagar General Exchange Limited*

Jaipur, the 21st April 1976

No. STA/1343.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sri Ganganagar General Exchange Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. D. KUREFL
Registrar of Companies,
Rajasthan, Jaipur

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Bank of Nagpur Limited*

Bombay-2, the 21st April 1976

No. 12089/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Bank of Nagpur Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Satara Swadeshi Commercial Bank Limited*

Bombay-2, the 21st April 1976

No. 259/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Satara Swadeshi Commercial Bank Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN
Addl. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 8th April 1976

CORRIGENDUM

BC No. ADM.GAZ.184-4/75(T).—Please read "M. P. Mehwal, Inspector, Central, Bombay 29-9-75 (FN) "instead of" M. P. Mehawala, Inspector, Central, Bombay 29-9-75 (AN)" as appearing at Sr. No. 1 of this Notification No. 1470 dated 10th March, 1976.

V. RAMASWAMI IYER
Commissioner of Income-tax
Bombay City-I, Bombay

DIRECTORATE OF ORGANISATION & MANAGEMENT SERVICES (INCOME-TAX)

New Delhi, the 15th March 1976

F. No. 9/808/74-DOMS/485.—On his transfer from the Office of the Registrar General, India, New Delhi, Shri Shankar Gupta, Assistant Director (EDP) office of the Registrar General, India, Ministry of Home Affairs New Delhi, assumed the charge of the office of the Assistant Director, Directorate of Organisation & Management Services (Income-tax), New Delhi on the forenoon of 15th March, 1976.

H. D. BAHU,
Director of Organisation &
Management Services (I. Tax)

OFFICE OF THE INCOME TAX APPELLATE TRIBUNAL,

Bombay-400020, the 19th April 1976

ORDER

No. F.48-Ad(AT)/76.—Shri G. S. Shetye, Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches,

Bombay whose order of appointment as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bangalore Bench, Bangalore vide my order No. F.48-Ad(AT)/75.P.II dated 1-11-1975 was kept in abeyance until further orders. Vide my order No. F.48-Ad(AT)/75.P.II dated 15-11-1975, is appointed to officiate as Assistant Registrar, in the Income-tax Appellate Tribunal, Bangalore Bench, Bangalore on regular basis against promotion quota with effect from the date he assumes charge at Bangalore. Shri G. S. Shetye will be relieved of his duties as Assistant Superintendent Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on 30-4-1976 (A.N.) and will assume charge of his office as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bangalore Bench, Bangalore after availing himself of usual joining time as per rules.

2. Shri G. S. Shetye, will be on probation for two years with effect from the date he assumes charge as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bangalore Bench, Bangalore.

HARNAM SHANKAR
President

FORM ITNS

(1) J. D. & Co., Pvt. Ltd., Alice Bldg., Dr. D. N. Road,
Fort, Bombay-1

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Acme Metal Industries Pvt. Ltd., Swami Vivekanand
Road Goregaon (West) Bombay-62.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, SMT. K. G. M. P. AYURVED

HOSPITAL BUILDING, NETAJI SUBHAS ROAD,

CHARNI ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 3rd May 1976

Ref. No. AR/III/849/Sept.75.—Whereas, I, Shri R. G.
NERURKAR,being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingSurvey No. 9, Hissa No. 2 part, City Survey No. 36 situated
at Goregaon(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred under theRegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
registering officer at Sub Registrar's Office Bombay on 3-9-1975
for an apparent consideration which isless than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reasons to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per-
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the ob-
ject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922)
or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of
1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the 'said Act,' to the following per-
sons, namely :—

13—86GI/76

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the 'said Act', shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate lying
and being in the Village of Goregaon in the Registration
Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburbs
and bearing Survey No. 9 Hissa No. 2 part and bearing City
Survey No. 36 of Goregaon Village now admeasuring 3733
sq yards equivalent to 3122/43 Sq. metres or thereabouts
(which area as per the Lease was 3997 Sq. yards out of
which 262 Sq. yards was acquired for set back of Swami
Vivekanand Road and bounded as follows : On or towards
the WEST by Swami Vivekanand Road, On or towards the
EAST by a nalla, On or towards the South by the land
bearing Survey No. 9 H.No. 2 part of Goregaon Village
belonging to Vendors and let out to R. B. Shanbaug and
others and on or towards the NORTH by the land bearing
S.No. 9 Hissa No. 2 part of Goregaon Village and let out
to Shri Babulal Dipchand Kothari and delineated on the
plant hereto annexed and shown surrounded by RED colour-
ed boundary lines.

R. G. NERURKAR,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 3-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Joginder Singh, s/o Shri Jamit Singh, R/o Village Kamalpura, Tehsil Jagraon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kartar Kaur, wd/o Shri Jamit Singh, R/o Village Kamalpura, Tehsil Jagraon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 11th May 1976

Ref. No. JGR/1847/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, measuring 25 kanal and 6 marlas, situated at Village Kamalpura, Tehsil Jagraon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 25 kanal and 6 marla, situated in Village Kamalpura, Tehsil Jagraon, District Ludhiana. Khata No. 458/511,

89

Killa No. 9/2 12 8/2 13/1 18/2 19 Samabandi year 1971-72

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2740 of August, 1975 of the Registering Officer, Jagraon.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Dated : 11th May 1976
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Tyre Land of India Village Rasoi, District Sonapat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Jaesbro and Co. Delhi (Regd) Village Rasoi, District Sonapat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 12th May 1976

Ref. No. SNP/1846/75-76.—Whereas, I. V. P. MINOCHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Village Rasoi, District Sonapat, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonapat in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land consisting Khasra Nos. 5/24, 25 14/ 4/1 5-16 7-12 1-7 of Village Rasoi District Sonapat.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1869 of August, 1975 of the Registering Officer, Sonapat).

V. P. MINOCHA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 12.5.1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Smt. Krishna Kumari, w/o Shri Kailash Chand.
2. Smt. Santosh Kumari, w/o Shri Mohinder Pal,
66-New Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Amarjit Singh s/o Shri Avtar Singh, No. 73,
Manna Singh Colony, Model Gram, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 11th May 1976

Ref. No. LDH/C/379/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 24, Model Gram, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 24, situated on the road which takes off from Main Model Gram road connecting Pakhowal Road. Khasra No. 75/15/11. Khata No. 1411/1512, Jamabandi year 1970-71.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4563 of August, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 11th May 1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Indira Devi, w/o Shri Tilak Raj, Basant Road,
Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satpal, s/o Muni Lal/, House No. B-XIX/
433/9, Basant Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 11th May 1976

Ref. No. LDH/C/381/75-76.—Whereas, I. V. P. MINOCHA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Chandigarh,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. 1/2

portion in kothi No. B-XIX/433/9, Civil Lines, Basant
Road, situated at Ludhiana
(and more fully described in
the Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer at
Ludhiana

for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to be-
lieve that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act,
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respec-
tive persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion in kothi No. B-XIX/433/9, Basant Road, Civil
Lines, Ludhiana.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4592 of
August, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Dated : 11th May 1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Harpal Kaur, w/o Shri Sukhdev Singh, Resident of Model Town, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Surjit Kaur, w/o Shri Bhagwan Singh, Resident of Seh. (Ludhiana). Presently at House No. 70-D, Model Town, Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
136, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 11th May 1976

Ref No. PTA/1152/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 70-D, Model Town, situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in August, 1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 70-D, Model Town, Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2440 of August, 1975 of the Registering Officer, Patiala.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Dated 11 May 1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd April 1976

Ref. No. 1553.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule and situated at V. Boot (and more fully described in the Schedule annexe hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Jullundur on Aug. 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefor by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kishan Singh and Bishan Singh Sons of Shri Labh Singh s/o Sh. Mahli Ram, R/o V. Boot.
(Transferor)

- (2) Shri Jagat Ram s/o Sh. Burra s/o Shri Rakha Ram. V. Mudh Teh. Nakodar.
Through
Shri Kishan Chand K.P.M.C. R/O Basti Bawa Khel, Jullundur City.
(Transferee)

- (3) at S.No. 2 Anybody Interested in the Property.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 5117/ August, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur

Date : 22-4-1976

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd April 1976

Ref. No. 1554.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Kot Ram Dass, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on Aug. 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Raj Gopal son of Shri Ramji Das, R/O Bikram-pura, Jullundur City,

(Transferor)

(2) Shri Bansi Lal s/o Sh. Ram Lal W.F. 145 Ali Mohalla, Jullundur City.

(Transferee)

(3) at S.No. 2 Anybody Interested in the Property.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 5373/ August, 1975 of Sub-Registrar, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur.

Date : 22-4-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi-1 (110001), the 15th May 1976

Ref. No. IAC/Acq. I/SRIII/Sept./(52)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-178 situated at Defence Conony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 25-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14—86GI/76

(1) Shri Tirlok Nath Grover s/o Shri Haveli Ram r/o 34/32, West Patel Nagar, New Delhi as General Attorney of M/s Narang Overseas Private Limited, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Lalls Copper and Brass Palace 1009, Chawari Bazar, Delhi.

(Transferee)

(3) Shri K. N. Sahni r/o C-178, Defence Colony, New Delhi (G.F.) 2. Shri Tenzing Lote r/o C-178, Defence Colony, New Delhi (F.F.).

(Persons in occupation of the property)

(4) M/s Narang Overseas (Pvt.) Ltd., 17, Sunder Nagar Market, New Delhi.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{4}$ th undivided share of 2 $\frac{1}{2}$ storeyed building on Plot No. C-178, Defence Colony, New Delhi measuring 325 sq. yds and bounded as under :—

North
South
East
West

Property No. 177
Property No. 179
Service Lane
Road.

S. C. PARIJA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 15-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi-1 (110001), the 15th May 1976

Ref No. IAC/Acq-I/SRIII/969/Oct-I(15)/75-76.—Whereas,
I. S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-178, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 8-10-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tirlok Nath Grover s/o Shri Haveli Ram, r/o 34/32, West Patel Nagar, New Delhi as General Attorney of M/s Narang Overseas Private Limited, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Lalls Copper and Brass Palace, 1009, Chawari Bazar, Delhi.

(Transferee)

(3) Shri K. N. Sahni R/o C-178, Defence Colony, New Delhi (G.F.) 2, Shri Tenzing Lote, r/o C-178, Defence Colony, New Delhi (F.F.).

(Persons in occupation of the property)

(4) M/s Narang Overseas (Pvt.) Ltd., 17, Sunder Nagar Market, New Delhi.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{2}$ th undivided share of 2 $\frac{1}{2}$ storeyed building on Plot No. C-178, Defence Colony, New Delhi measuring 325 sq yds and bounded as under :—

North
South
East
West

Property No. 177
Property No. 179
Service Lane
Road

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 15-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi-1 (110001), the 15th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/Sept/(33)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-178, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 17-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Tirlok Nath Grover s/o Sh. Haveli Ram, r/o 34/32, West Patel Nagar, New Delhi as General Attorney of M/s Narang Overseas Private Ltd., Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Lalls Copper and Brass Palace 1009, Chawari Bazar, Delhi.

(Transferee)

(3) Shri K. N. Sahni r/o C-178, Defence Colony, New Delhi (G.F.) 2. Shri Tenzing Lote, C-178, Defence Colony, (F.F.) New Delhi.

(Persons in occupation of the property)

(4) M/s Narang Overseas (Pvt.) Ltd., 17, Sunder Nagar Market, New Delhi.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{4}$ th undivided share of 2 $\frac{1}{2}$ storeyed building bearing No. C-178, Defence colony, New Delhi and measuring 325 sq. yds and bounded as under :—

North	Property No. 177
South	Property No. 179
East	Service Lane
West	Road

S. C. PARIJA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 15-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI-1

New Delhi-1 (110001), the 15th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.III/SR.II/Sept./1005(1)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land mg 2 Bigha 8 Biswas situated at Vill :—Dabri, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 3-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kailash (Minor) and Danesh (Minor) SS/O Sh. Debi Sahai R/O 77/1, Punjabi Bagh, Delhi, through their father and natural guardian Sh. Devi Sahai, S/o Sh. Net Ramji.

(Transferor)

- (2) Smt. Ram Devi Jindal, W/O Sh. Devi Sahai Jindal, R/O 77/1, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bigha and 8 Biswas vide khasra No. 29/6, situated in the area of Village Dabri, Delhi State, Delhi.

S. C. PARIJA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 15-5-1976

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-1 (110001), the 15th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.III/SR.II/Sept./1011(8)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land mg 2 bigha and 8 Biswas situated at Village. Dabri, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 12-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Anil Kumar (Minor) and Sh. Arvind Kumar (Minor) SS/O Sh. Debi Sahai Jindal, R/O 1/77, Punjabi Bagh, Delhi, Through their natural guardian Sh. Debi Sahai Jindal S/O Sh. Net Ram Jindal.

(Transferor)

- (2) Smt. Ram Devi Jindal W/O Sh. Debi Dabai Jindal R/O 1/77, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bighas and 8 Biswas, vide Khasra No 29/6, situated in the area of Village Dabri, Delhi State, Delhi.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 15-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1 (110001), the 15th May 1976

Ref. No. I.A.C./Acq.III/SR-II/Sept/11019(16)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Land mg. 2585 sq. yds. situated at Out of Khasra No. 29/
15, vill. Debri, Delhi State, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on 20-9-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) M/S. Jindal Industries Ltd; 15/1, Asaf Ali Road,
New Delhi through Sh. Basant Kumar Manager, of
Its Delhi Branch.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Devi Jindal, W/O Sh. Debi Sahai Jindal,
R/1/77, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2585 sq. yds bearing plots No. 8 and 9, part of Khasra No. 29/15, situated in the area of Village Dabri, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

North :	Plot No. 15
East :	Other land
South :	Plot No. 6&7
West :	Plot No. 10

S. C. PARIJA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 15-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kanhya s/o Shri Ram Chand r/o Village Sarangpur (Delhi).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1(110001)

(2) Shri Ramkala, Ramphal, Karan Singh Bharam Parkash ss/o Shri Jug Lal rs/o Village Galibpur, Delhi.

(Transferee)

New Delhi-1 (110001), the 15th May 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.II/Sept./1013(10)/75-76.—Whereas, I. S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mustatil No 37 and Mustatil No. 36 situated at Sarangpur (Delhi)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 17-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 21 bighas and 11 biswas bearing Mustatil No. 37, Killa No. 4 (2-12), 5/2 (2-3), 6 (3-3) and mustatil No. 36, Killa No. 2 (2-0) 8/2 (1-17), 9 (5-4) 10 (4-4) 13/1 (0-8) situated in the area of village Sarangpur, Delhi.

S. C. PARIJA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 15-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-110001, the 17th May 1976

Ref. No. IAC.ACQ.III/SR.III/Sept./410(5)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4 share of Property No. 11101, situated at Ward No. XVI, Plot No. 50, Block No. 6-A, WEA, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on 4-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Inder Singh s/o Shri Nihal Singh
r/o 4351, Gali No. 58 Rehgarpara,
Karol Bagh, New Delhi
General Attorney on behalf of Smt. Harjit Kaur,
w/o Shri Amar Singh
d/o Shri Ram Singh
(Transferor)
- (2) Shri Kishan Singh s/o Saudagar Mal
r/o 5-A/170, Sat Nagar, Karol Bagh,
New Delhi.
(Transferee)
- (3) 1. Shri S. Sen
2. Shri Neel Kantan
3. Shri M. D. Chaudhary
All r/o 6A/50, WEA, Karol Bagh,
New Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of 2½ storeyed house municipal No. 11101, Ward No. XVI, built on plot No. 50, Block No. 6-A area 162 sq. yds. situated in the Western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—
North : Road
South : Street
East : House on plot No. 6-A/51
West : House on plot No. 6-A/49

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-5-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi-110001, the 17th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.III/SR.III/Sept./411(6)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43
of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have
reason to believe that immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
1/4 share of Property No. 11101, situated at Ward No. XVI,
Plot No. 50, Block No. 6-A, WEA, Karol Bagh, New
Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
New Delhi on 4-9-1975,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefore by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

15—86GI/76

- (1) Shri Amar Singh s/o Shri Inder Singh
r/o 4351, Gali No. 58 Regharpura,
Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar s/o Sh. Kishan Singh,
r/o 6-A/68, WEA, Karol Bagh,
New Delhi.
(Transferee)
- (3) 1. Shri S. Sen
2. Shri Neel Kantan
3. Shri M. D. Chaudhary
all r/o 6A/50, WEA, Karol Bagh,
New Delhi.
(Person(s) in occupation of the property)

- (4) Any body Interested in the Property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of 2½ storeyed house municipal No. 11101, Ward No. XVI, built on plot No. 50, Block No. 6-A area 162 sq. yds. situated in the Western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under:—
North : Road
South : Street
East : Plot No. 6A/51
West : Plot No. 6A/49

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 17-5-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi-110001, the 17th May 1976

Ref. No. IAC Acq.III/SR-III/Sept./412(7)/75-76.—

Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

1/4 share of Property No. 11101, situated at Ward No. XVI Plot No. 50, Block No. 6-A, WEA, Karol Bagh, New Delhi

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Amar Singh s/o Shri Inder Singh,
r/o 4351, Gali No. 58, Regharpura,
Karol Bagh, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Mohan Singh s/o Shri Kishan Singh r/o
4351, Gali No. 58, Regharpura, Karol Bagh,
New Delhi,
now r/o 6-A/68, WEA, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

(3) 1. Shri S. Sen
2. Shri Neel Kantan
3. Shri M. D. Chaudhary
all r/o 6A/50, WEA, Karol Bagh,
New Delhi.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of 24 storeyed house municipal No. 11101, Ward No. XVI, built on plot No. 50, Block No. 6-A area 162 sq. yds. situated in the Western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

North : Road
South : Street
East : Plot No. 6A/51
West : Plot No. 6A/49

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-5-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi-110001, the 17th May 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.III/Sept/409(4)/75-76.—

Whereas, I. S. C. PARIJA,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
1/4th share of Property No. 11101, situated at Ward No. XVI,
Plot No. 50, Block No. 6-A, WEA, Karol Bagh, New
Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer at
New Delhi on 4-9-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Inder Singh s/o Shri Nihal Singh,
r/o 4351, Gali No. 58 Rehgarhpura,
Karol Bagh, New Delhi
General Attorney on behalf of Smt. Harjit Kaur,
w/o Shri Amar Singh
d/o Shri Ram Singh.
(Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Rani alias Pushpa Devi
w/o Shri Kishan Singh
r/o 5-A/170, Karol Bagh,
r/o 6-A/68, WEA, Karol Bagh,
New Delhi.
(Transferee)
- (3) 1. Shri S. Sen
2. Shri Neel Kantan
3. Shri M. D. Chaudhary
all r/o 6A/50, WEA, Karol Bagh,
New Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of 2½ storied house municipal No. 11101, Ward No. XVI, built on plot No. 50, Block No. 6-A area 162 sq. yds. situated in the Western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under:—

North : Road
South : Street
West : House on plot No. 6-A/49
East : House on plot No. 6-A/51

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-5-1976

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi-110001, the 17th May 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/Sr.III/Nov/457(12)/75-76.—

Whereas, I, S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2218 situated at Chuna Mandi, Paharganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 28-11-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Modern Machines Pvt. Ltd.,
2217, Chuna Mandi, Paharganj,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Oberoi w/o Shri I. L. Oberoi,
7, South Avenue, Maharani Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s Economic Transport Organisation,
2218, Chuna Mandi, Paharganj,
New Delhi.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 357 sq. yds. bearing No. 2218, Chuna Mandi, Paharganj, New Delhi with superstructure thereon comprising of two rooms and a tin shed of corrugated sheets and bounded as under :—

North : Gali No. 9 (Chuna Mandi)

South : Gali No. 10 (Chuna Mandi)

East : Raj Guru Road

West : Property of Shri Kanhaya Lal Jain

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-5-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 1st April 1976

Ref. No. VII/1/37(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. Nos. 421/31, 421/32A & 421/32B situated at Old Dharapuram Road, Palani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Palani (Doc. No. 1187/75) on September 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 268D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. R. Sourirajulu Chettiar,
2. S. Bengarajan,
3. S. Bhuvanendran &
4. S. Jithendrian, (minor by guardian R. Sourirajulu Chettiar) Devangar Street, Palani.

(Transferor)

- (2) 1. Dr. P. C. Kannu, Peter Road, Palani,
2. Pandiam Pillai, Kallimanthiam village, Palani Taluk.
3. Rajamani, Kallimanthiam village, Palani Taluk.
4. Panchatcharam, Kallimanthiam village, Palani Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 22041 sq. ft. with buildings thereon now known as Samy Theatre in T.S. Nos. 421, 32B, 421/32A and 421/31 and bearing door Nos. 31, 31A, 31B, 31C, 31D, 31E and 31F, Old Dharapuram Road, Palani.
Date : 11-4-1976.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 1-4-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri P. Somasundaram, Plot No. 117, Anna Nagar, Madras-600040.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. Karunanidhi, Panagudi 627109.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Madras-6, the 5th April 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. XIX/10/62(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the competent authority under section 269B. of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 1406/2, situated at Panagudi village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panagudi (Doc. No. 1755/75) on September 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land measuring 39½ cents with buildings thereon at Survey No. 1406/2, (Door Nos. 203, 204 & 205) Panagudi Panchayat Ward IV, Tirunelveli district.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri T. A. Thatha Chettiar,
Shri T. A. Velu Chettiar,
Smt. Periyammal (alias) Andalammal, 69, Chetty
Street, Tirupathur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 27th April 1976

Ref. No. XX1/12/94(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17, situated at Chetty Street, Tirupathur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirupathur (Doc. No. 3375/75) on September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

(2) Nagarathu Vaisiyargal Sangam through its President, Shri S. R. Subramaniam Chettiar, Tirupathur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of land measuring 5603 sq. ft. with building thereon at door No. 17 Chetty Street, Tirupathur.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 27-4-1976
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 27th April 1976

Ref. No. XXI/12/95(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 17, situated at Chetty Street, Tirupathur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirupathur (Doc. No. 3376/75) on September 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri T. A. Thatba Chettiar,
Shri T. A. Velu Chettiar,
Smt. Periyammal (alias) Andalammal, 69, Chetty St., Tirupathur.

(Transferor)

- (2) Nagarathu Vaisiyatgal Sangam thro' its President,
Shri S. R. Subramanian Chettiar, Tirupathur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of land measuring 5603 sq. ft. with building thereon at door No. 17, Chetty Street, Tirupathur.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 27-4-1976
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6.

Madras-6, the 21st April 1976

Ref. No. XII/14/63, 64 & 65 (Sept) 1975-76.—Whereas I, G. RAMANATHAN, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 146/2 situated at Palayamchettikulam, Tirunelveli district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palayamkottai (Doc. No. 2676/75) on 11-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

16-86GI/76

- (1) Haji S. N. Sultan Abdul Cader (1) & Haji S. N. Mohamed Noohu, sons of Segu Noorudeen, Appa Palli Street, Kayalpatnam, Tiruchendur Taluk.

(Transferor)

- (2) Smt. Jayajothi (1), W/o. Thangaraj Nadar, Pandarachettivilai, Udangudi village, Tiruchendur Taluk.
Smt. P. Mahalakshmi (2), W/o. Paulpandia Nadar, Pudukudi, Srivaikuntam Taluk.
Smt. K. Thamarapushpam, W/o. Karuppiah Nadar, Pandarachettivilai, Udangudi village, Tiruchendur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 58 cents in R. S. No. 146/2, Palayamchettikulam village, Tirunelveli district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 21-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramasamy Gounder & Shri V. R. Mani, Vellakkalpatti, Erumaipatti village.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sengoda Gounder, son of Varudappa Gounder, Vellakkalpatti, Erumaipatti village.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 29th April 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. XVII/7/67/(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 208 & 205, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Makudanchavadi (Doc. No. 1139/75) on 15-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands measuring 3.95 acres in Survey Nos. 208 (3.06 acres) and 205 (0.89 acres) purchased by sale deed registered as Doc. No. 1139/75 with the Sub-Registrar, Makudanchavadi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957)

G. RAMANATHAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 29-4-1976.

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri Ramasamy Gounder & Shri V. R. Mani, Vellakkalpatti, Erumaipatti village.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Natesan, son of Muthu Gounder, Vellakkalpatti, Erumaipatti village.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6.

MADRAS-6, the 29th April 1976

Ref. No. XVII/7/68(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 208 & 205, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Makudanchavadi (Doc. No. 1140/75) on 15-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands measuring 3.95 acres in Survey Nos. 208 (3.06 acres) and 205 (0.89 acres) purchased by sale deed registered as Doc. No. 1140/75 with the Sub-Registrar, Makudanchavadi.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 29-4-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6.

Madras-6, the 29th April 1976

Ref. No. XVII/13/72(SEPT)75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 316/5, situated at Pallipalayam village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumarapalayam (Doc. No. 1381/75) on 16-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. A. Natesa Gounder (1), Sanyasipatty Agraharam, Sankari Tq., Rajambal, W/o. Devanna Gounder (2), Shri Velumani (minor) by guardian Smt. Rajambal (3), Shri Kanagasabapathy (4), Papathi alias Saroja (5), W/o. Kalianna Gounder, Maniampalayam, Vellankadu, Gounthapadi, Nalla Gounder (6), Kandasamy Gounder, s/o Nalla Gounder (7), Kandasamy Gounder, s/o. Sellappa Gounder (8), Sellappan, s/o. Kandasamy (9), Rasayammal, d/o. Sellappa Gounder (10), Kandasamy Gounder (s/o. Attiyanna Gounder, Sulliparukki, Padavedu village, Tiruchengode (11), Shri Attiyanna Gounder (12), Shri Chettiya Gounder, Sankari Tq. (13).

(Transferor)

- (2) Smt. S. Gajalakshmi, W/o. P. Subbaraman, 179, Kutcheri Street, Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- Land measuring 10481 sq. ft. in Survey No. 316/5, Ward 3, Pallipalayam village, Salem district.

G. RAMANATHAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 29-4-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6.

Madras-6, the 29th April 1976

Ref. No. XVII/13/73(SEPT)/75-76.—Whereas I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 316/5, situated at Pallipalayam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumarapalayam (Doc. No. 1384/75) on 16-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri S. A. Natesa Gounder (1), Sanyasipatti Agraharam, Sankari Tq., Rajambal (2), Shri Velumani (minor) by guardian Smt. Rajambal (3), Shri Kanagasabapathy (4), Papathi alias Saroja (5), Nalla Gounder (6), Kandasamy Gounder (7), Kandasamy Gounder, son of Sellappa Gounder (8), Sellappan (9), Smt. Rasayammal (10), Kandasamy Gounder (s/o. Attiyanna Gounder (11), Attiyanna Gounder (12) and Shri Chettiya Gounder (13).
(Transferor)

(2) Smt. Saraswathi, W/o. Ramasamy Chettiar, Raja Street, Pallipalayam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10030½ sq. ft. in Survey No. 316/5, Ward No. 3, Pallipalayam village, Salem district

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 29-4-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6.

Madras-6, the 29th April 1976

Ref. No. XVII/13/74(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 316/5, situated at Pallipalayam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumarapalayam (Doc. No. 1386/75) on 16-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. A. Natesa Gounder (1), Smt. Rajammal (2), Shri Velumani (minor) by guardian Smt. Rajammal (3), Shri Kanagasabapathi (4), Pappathi alias Saroja (5), Shri Nalla Gounder (6), Kandasamy Gounder s/o. Nalla Gounder (7), Shri Kandasamy Gounder s/o. Sellappa Gounder (8), Sellappan Gounder (9), Smt. Rasayiammal (10), Kandasamy Gounder, s/o. Athiyanna Gounder (11), Shri Athianna Gounder (12), Shri Chettia Gounder (13).

(Transferor)

- (2) Shri P. Sangameswaran, Police Station Road, Pallipalayam village, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the Said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5724 sq. ft. in Survey No. 316/5, Pallipalayam village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 29-4-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 29th April 1976

Ref. No. XVII/13/75(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 316/5, situated at Pallipalayam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumarapalayam (Doc. No. 1388/75) on 16-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri S. A. Natesa Gounder,
2. Smt. Rajammal,
3. Shri Velumani, minor by guardian Smt. Rajammal
4. Shri Kanagasabapathi,
5. Pappathi alias Saroja,
6. Shri Nalla Gounder,
7. Shri Kandasamy Gounder s/o Shri Nalla Gounder
8. Shri Kandasamy Gounder S/o Shri Sellappa Gounder,
9. Shri Sellappan,
10. Smt. Rasayiammal,
11. Shri Kandasamy Gounder s/o Shri Athianna Gounder,
12. Shri thianna Gounder, and
13. Shri Chettia Gounder.

(Transferor)

- (2) Shri P. Rajanna Chetty, Pudoor, Pallipalayam village, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5,616 sq. ft. in Survey No. 316/5, Pallipalayam village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 29-4-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6.

Madras-6, the 29th April 1976

Ref. No. XVII/13/76(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 316/5, situated at Pallipalayam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kumarapalayam (Doc. No. 1390/75) on 16-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri S. A. Natesa Gounder,
2. Smt. Rajammal,
3. Shri Nalla Gounder,
4. Shri Kandasamy and
5. Shri Chettia Gounder.

(Transferor)

- (2) Shri K. Krishnasamy Chetty, son of S. S. M. Kandasamy Chettiar, Car Street, Bhavani.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5,616 sq. ft. in Survey No. 316/5, Pallipalayam village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 29-4-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) RM. AR. AR. RM. Trust by trustees M/s Ramanathan Chettiar, Arunachalam Chettiar and Vcerappan Chettiar, Devakottai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6.

Madras-6, the 29th April 1976

Ref. No. X/1/82/SEPT/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. 22090, situated at Palam Station Road, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thallakulam (Doc. No. 2941/75) on 20-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—86 GI/76

(2) (1) Shri Narshi Premji Patel,
(2) Shri Manji Premji Patel and
(3) Shri Hiralal Arjan Patel,
partners in Sri Venkateswara Saw Mill, 98,
Palam Station Road, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 20 cents in T.S.No. 2209, Palam Station Road, Sellur, Madurai.

G. RAMANATHAN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 29-4-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) RM. AR. AR. RM. Trust by trustees M/s Ramanathan Chettiar, Arunachalam Chettiar and Veerappan Chettiar, Devakottai,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. K. A. Gurusamy Chettiar, 45, R. S. Naidu Street, Sellur, Madurai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 29th April 1976

Ref. No. X/1/83(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. 2209, situated at Palam Station Road, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thallakulam (Doc. No. 2940/75) on 20-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Vacant land measuring 13 cents and 82 sft. in T. S. No. 2209, Sellur, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 29-4-1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 29th April 1976

Ref. No. X/1/84(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. 2209, situated at Sellur, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thallakulam (Doc. No. 2931/75) on 19-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) RM. AR. AR. RM. Trust by trustees M/s. Ramanathan Chettiar, Arunachalam Chettiar and Veerappan Chettiar, Devakottai.

(Transferor)

(2) Shri Narshi Premji Patel (1), Shri Manji Premji Patel (2) and Shri Hiralal Arjan Patel (3), partners in Sri Venkateswara Saw Mill, 98, Palam Station Road, Sellur, Madurai.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 15 cents in T. S. No. 2209, Sellur, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 29-4-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Palani Gounder & Shri Shanmuga Subramaniam,
Samayasangili Agraharam, Seerampalayam.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chinna Gounder, son of Muthu Gounder,
Seerampalayam, Samayasangili Agraharam.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 28th April 1976

Ref. No. XVII/13/70(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269 B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. , situated at Samayasangili village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumarapalayam (Doc. No. 1352/75) on 11-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in land measuring 6 acres in Survey Nos. 242/1, 243/3, 243/6, 243/9, 244/2, 245/6, 246/4, 228/1 and 245/3 in Samaya Sangili Agraharam village.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 28-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Palani Gounder & Shri Shanmuga Subramaniam,
Samayasangili Agraharam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Chinna Gounder, Secrapalayam, Samayasangili
Agraharam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 28th April 1976

Ref. No. XVII/13/71(SEPT)/75-76.—Whereas, I G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. , situated at Samayasangili Agraharam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kumarapalayam (Doc. No. 1353/75) on 11-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in land measuring 6 acres in Survey Nos. 242/1, 243/3, 243/6, 243/9, 244/2, 245/6, 246/4, 228/1 and 245/3 in Samaya Sangili Agraharam village.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 28-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nambi Thevar
son of Pusa Thevar,
Iluppaikulam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Krishna Thevar,
Ramanujanpudoor.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

MADRAS-6, the 27th April 1976

Ref. No. XII/10/52(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. , situated at Serakkulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srivaikuntam (Doc. No. 2344/75) on September 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 acres and 27½ cents in Survey Nos. 713/2 (1.02 acres), 716/1 (7½ cents) and 716/2 (3.18 acres) in Serakkulam village.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
MADRAS-6.

Date : 27-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nambi Thevar,
son of Pusa Thevar,
Iluppaikulam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Krishna Thevar,
Ramanujampudoor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons whichever period expires
later;

Madras-6, the 27th April 1976

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Ref. No. XII/10/53(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under-Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. —, situated at Serakkulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Srivaikuntam (Doc. No. 2344/75) on September 1975, for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfers and/or

Land measuring 3.15 acres in Survey Nos. 714/2 (1.65 acres) and 715/2 (1.50 acres) with well, electric motor and pumpset and trees in Serakkulam.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 27th April 1976

Ref. No. IX/4/11(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79, situated at Acharappan Street, George Town, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 690/75) on 12-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section, 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, sons, namely :—

- (1) Shri R. Pandurangan, and
Smt. P. Padmavathi Ammal
W/o Shri Pandurangan,
16, Acharappan Street,
George Town, Madras-1.

(Transferor)

- (2) Shri B. Ramakrishna Reddy,
36, Acharappan Street,
George Town, Madras-1.

(Transferee)

- S/Shri
(3) 1. T. S. Jayagopal Chettiar.
2. Welcome Traders.
3. Welcome Dhall Mill,
4. S. P. K. V. Lorry Service,
5. Sri Venkateswara Scales Co.
6. N. Ramadoss,
7. V. Chandran,
8. T. Raja Chetty,
9. P. Radhakrishnan and
10. S. Gokul.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 grounds and 471 sq. ft. with building thereon at 79, Acharappan Street (R.S. No. 5553/1), Madras-1.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 27-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sivagnanam Pillai,
son of Marudai Pillai,
Venkitachalapuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Kumaresan Nadar,
son of Regunatha Nadar,
Sathankulam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 28th April 1976

Ref. No. XII/9/102/SEPT/75-76.—Whereas, I. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 150/1, situated at Sathankulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Murappanadu (Doc. No. 1953/75) on 3-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—86G//76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in land measuring 22 acres and 72 cents in Survey No. 150/1, Sathankulam.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 28-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sivagnanam Pillai,
Venkitachalapuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Natarajan Nadar,
son of Senthilvel Nadar,
Sathankulam-628704.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 28th April 1976

Ref. No. XII/9/103(SEPT)/75-76.—Whereas, I. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 150/1, situated at Sathankulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Murappanadu (Doc. No. 1954/75) on 3-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in land measuring 22 acres and 72 cents in Survey No. 150/1, Sathankulam.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 28-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sivagnanam Pillai,
Venkitachalapuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Mathiazhagan Nadar.
son of Rathnasamy Nadar.
Sathankulam 628704.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 28th April 1976

Ref. No. XII/9/104(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G.
RAMANATHAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Survey No. 150/1, situated at Sathankulam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act 1908(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Murappanadu (Doc. No. 1955/75) on 3-9-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer
and/or;(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons,
namely :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the 'said Act' shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in land measuring 22 acres and 72
cents in Survey No. 150/1, Sathankulam.G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 28-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Munish Kumari w/o Sh. Naresh Chander,
r/o 6454, Katra Beryan, Delhi-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gianwati, w/o Sh. Bed Parkash, 2. Sh. Suresh
Chander s/o Sh. Shree Ram, r/o 6454, Katra
Beryan, Gali Pipal Wali, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 2nd March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1111/2434/75-76.—Whereas, I,
S. N. L. AGARWALA,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1/2 share of 6454 situated at Katra Beryan, Gali Pipal
Wali, Delhi-6
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Delhi in October 1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
Moneys or other assets which have not been on
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Income-tax, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter, XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of a double storeyed house constructed on a
land measuring 192 sq. yds situated at No. VI/6454, Katra
Beryan Gali Pipal Wali, Delhi-6.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date : 2-3-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bir Singh Chauhan s/o Sh. Moti Singh, r/o Vill. Jahrana, PO. Bhagwatpur, Teh. Kher. Distt. Aligarh (UP).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chuni Lal Narula s/o Shri Kuljas Rai Narula r/o 128/30, Chand Mohalla, Gandhi Nagar, Delhi-31.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 2nd March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1112/415/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Southern portion of J-3/6 situated at Krishan Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Southern portion of property No. J-3/6 constructed on a plot of land measuring 188.11 sq. yds out of the entire area 420.625 sq. yds situated in abadi Krishan Nagar, Shahdara, Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 2nd March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1113/2377/75-76.—Whereas, I,
S. N. L. AGARWALA,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. E-15 situated at Satyawati Nagar, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi in September, 1975,
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Harsaroop Sharma s/o Sh. Shiv Chand Sharma
r/o 7367, Prem Nagar, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Kapur s/o Sh. Sham Dass Kapur,
r/o 5323, Block 6-B, Jawahar Nagar, Subzi Mandi,
Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot of land no. 15 Block E measuring 200 sq. yds situated in the colony known as Satyawati Nagar, Delhi and bounded as under :—

North : Road
South : Service Lane
East : Plot No. E-14
West : Plot No. E-16

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date : 2/3/1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harbhajan Lal s/o Sh. Des Raj r/o I/24,
Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Kewal Krishan s/o Sh. Des Raj r/o I/24,
Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 2nd March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1109/2387/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4th share of I/24 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of a 2½ storeyed house built on plot No. 24 in Block I measuring 380.5/6 sq. yds situated in the colony known as Kirti Nagar, New Delhi area of Village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under :—

North : Service Lane
South : Park
East : Plot No. I/24-A
West : Plot No. I-22-23

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date : 2/3/1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Roshan Lal s/o Shri Des Raj r/o I/24, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Des Raj s/o Shri Kanshi Ram r/o I/24, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 2nd March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1110/2398/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share of I/24 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in September, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section(1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of a 2½ storeyed house build on plot No. 24 in Block I measuring 380.5/6 sq. yds situated in the colony known as Kirti Nagar, New Delhi area of Village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under :—

North : Service Road

South : Park

East : Plot No. I/24-A

West : Plot Nos. I/22-23

S. N. L. AGARWALA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date : 2/3/1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 2nd March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1114/2372/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F-5/5 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
19—86GI/76

(1) Shri Khem Raj Surana and Sh. Ghewar Chand Surana sons of Sh. Hasti Mal Surana r/o F-5/5 Model Town, Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi w/o Sh. Jagdish Ram Gupta 2. Master Deepak J. Gupta (minor) s/o Sh. Jagdish Ram Gupta 3. Smt. Leela wati w/o Sh. Rameshwar Dass Gupta, 4. Smt. Indra Gupta w/o Sh. Raj Kumar all r/o A-2/7, Krishan nagar, Delhi-51.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed building constructed on a plot of land measuring 275.47 sq. yds constructed on free-hold plot No. 5 in Block F-5 Model Town, Delhi and bounded as under :—

North : Road
East : Building No. F-5/6
South : Building No. F-4/5
West : Building No. F-5/4

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date : 2/3/1976

Seal :

FORM ITNS:—

(1) Shri Dharam Vir s/o Sh. Manak Chand r/o 128-WZ
Shardapur, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kaushalya Devi w/o S. Hukam Singh, r/o
FB/10, Tagore Garden, New Delhi-27.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 2nd March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1115/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39/13 situated at Ramesh Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 39/13 measuring 118 sq. yds situated at Ramesh Nagar, Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date : 2/3/1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 5th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1145/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 45-UA, Mun. No. 5990 situated at Jawahar Nagar, Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Kaushalya Devi Wadhwa widow of Bawa Jagir Singh 43-UA Municipal No. 5990, Jawahar Nagar, Delhi-7 for self and as General Attorney of Manmohan Singh, Gurpreem Singh sons, Sarbans Kaur, Harmesh Kaur and Surjit Kaur all majors and daughters of L. Bawa Jagir Singh. 2. Sh. Tarlochan Singh s/o Bawa Jagir Singh 3. Smt. Hans Khosla d/o Bawa Jagir Singh w/o Mr. Y. C. Khosla r/o 45-UA, Jawahar Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Dr. Asa Nand Mehta s/o Shri Baldev Aam 2. Bishan Dass Mehta 3. Ram Dass Mehta 4. Dipinder Kumar Mehta 5. Yash Pal Mehta 6. Ashok Kumar Mehta, minors under the guardianship of his father Dr. Asa Nand Mehta r/o 45-UA, Jawahar Nagar, Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Asa Nand Mehta 2. Jcet Parkash 3. Sh. Sandu Ram, 4 Krishan Chand 5. Dayal Singh.

(person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed house constructed on a plot of land measuring 132.2/5 sq. yds situated at Plot No. 45 UA Municipal No. 5990 in Jawahar Nagar, Subzi Mandi, Delhi and bounded as under :—

North : House No. 45-B
East : Govt Road 20' wide
South : Govt. Road 20' wide.
West : Govt. Road 15' wide.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date : 5/4/1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 5th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1146/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 3769 situated at Main Bazar, Bara Tooti, Sadar Bazar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ghasi Ram s/o Sh. Memraj Mal 2, Shiv Kumar s/o Sh. Ghasi Ram and 3, Kamal Kant (minor) through Shri Ghasi Ram as guardian and real father r/o 3746 Gali Barna, Sadar Bazar, Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Mithan Lal s/o Hakim Chander Bhan r/o 1239, Sadar Thana Road, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3769 Main Bazar, Bara Tooti Sadar Bazar, Delhi constructed on land measuring 23.1/3 sq. yds and bounded as under:—

North : Main Road
East : Others property
South : Others property
West : Others property.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date : 5-4-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 5th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1147/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. G-39 situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shanti Swaroop s/o Shri Ram Rang r/o F-54, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Shanker Dass s/o Shri Kirori Ram r/o M-40 Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing plot No. 39 in Block G measuring 200 sq. yds situated in the residential colony known as Bali Nagar, New Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date : 5-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 6th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1162/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 35UA Property No. 6011 situated at Jawahar Nagar, Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Har Krishan Kakar s/o Sh. Bhagwan Dass Kakar; 2. Smt. Raminder Kakar w/o Shri Har Krishan Kakar r/o 39-A, Malka Ganj, Delhi-7.
(Transferor)
- (2) Shri Raj Kumar Jain s/o Shri Wazir Singh Jain and Smt. Raj Kumar, Jain w/o Shri Raj Kumar Jain r/o 35UA, Jawahar Nagar, Subzi Mandi, Delhi.
(Transferee)
- (3) 1. Shri Behari Lal; 2. Sh. R. L. Summon; 3. Sh. Laxman Singh; 4. Sh. Inda Sain Pandey; 5. Prem Nath Bhasker; 6. Sh. Goswami.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed building with free-hold plot of land underneath measuring about 160 sq. yds. bearing plot No. 35UA property No. 6011 situated at Jawahar Nagar, Ward No. 12, Subzi Mandi, Delhi and bounded as under :—

North : Road 20' East : Building on plot No. 36
South : Road 15' West : Road 20'

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 6-4-1976.
Seal

FORM ITNS—

(1) Smt. Shashi Anand wd/o Sh. Som Sudhershnan Anand for self and natural guardian of Miss Sonia Anand and Miss Seema Anand r/o D-1/5, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Piara Lal Anand s/o Sh. Mela Ram, r/o D-1/5, Krishan Nagar, Delhi-51

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 6th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1161/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. D-1/5 situated at Krishan Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in December, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house constructed on a plot of land measuring 112½ sq. yds. situated at No. D-1/5, Krishan Nagar, Shahdara, Delhi and bounded as under :—

North : Road East : H. No. D-1/6

South : House of Sh. Piara Lal West : H. No. D-1/5

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 6-4-1976.

Seal :

FORM ITNS————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st April 1976

Ref. No. RAC . No. 28/76-77.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 26 situated at S. P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 2-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Hushmuthunisa Begum; 2. Sri Jai Narayan Misra, both residing at Sardar Patel Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri R. P. Ranga Rao, H. No. 10-3-175 Jon's Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Plot No. 26 at Sardar Patel Road, Secunderabad, Area. 345 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
Hyderabad

Date : 1-4-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JYOTHI BUILDINGS, GOPALAPRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-11

Cochin, the 6th May 1976

Ref. L.C. No. 64/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. Nos. as per schedule situated at Ernakulam Village in Ernakulam Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 15-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

20—86GI/76

- (1) (i) C. Sankara Menon; (ii) C. Lakshmikutty Amma; (iii) C. Ramachandra Menon; (iv) C. Krishnamoorthy (by C. Sankara Menon); (v) C. Harikumar (by C. Sankara Menon); (vi) C. Radhai; (vii) C. Vijayaraghavan.

(Transferors)

- (2) Shri N. R. Haridas, Narayana Vilasom, Karithala desom, Ernakulam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13½ cents of land with Hotel building in Sy. No. 595 of Ernakulam village, Ernakulam District.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 6-5-1976.

Seal:

FORM ITNS—

(1) Smt. Ali Vishesh Dhan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hasa Nand and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 3rd May 1976

Ref. No. 22-H/Acq.—Whereas, I, F. RAHMAN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kanungoyan Prem Nagar, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bareilly on 4-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the 'said Act', in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the fol-
lowing persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the 'said Act',
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A house property situated in Kanungoyan Prem Nagar,
Distt. Bareilly.

F. RAHMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 3-5-1976,

Sgnl :

FORM ITNS

(1) Smt. Shanti Devi and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Karan Singh and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 3rd May 1976

Ref. No. 47-K/Acq.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Maikenar Road, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 16-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A house property situated in Maikenar Road, District Bareilly.

F. RAHMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-5-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur, the 23rd April 1976

Ref. No. 892-A/Acq/Saharanpur/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 4-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Lalta Devi, widow of Late Devendra Kumar, as natural Guardian and Mother Mr. Munnu, adult, s/o Devendra Kumar, and Km. Anuradha, and Km. Bandana (minors) d/o Late Devendra Kumar r/o Ansari Road, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Messrs Kapoor Engineering Works, Railway Road, Saharanpur, through Ranveer Kumar Kapoor, s/o Lala Jagdish Ram Kapoor, Partner of the Firm, r/o Gill Colony, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of shop at ground floor and vacant land at the back of it as per details given in annexure to form No. 37-G, bearing No. 4564, situated at Railway Station Road, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 29,000/-.

VIJAY BHARGAVA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 23-4-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur, the 23rd April 1976

Ref. No. 893-A/Acq./Saharanpur/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 4-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Yashvi Kumar s/o Late Devendra Kumar Bansal, self and Attorney of Shri Sanjeev Kumar s/o Late Devendra Kumar r/o Ansari Road, Saharanpur, and 2. Denesh Kumar s/o Devendra Kumar r/o above.

(Transferor)

- (2) Messrs Kapoor Engineering Works, Railway Road, Saharanpur, through Ranveer Kumar Kapoor s/o Jagdish Ram Kapoor, Partner of the Firm, r/o Gill Colony, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of shop at ground floor and vacant land at the back of it as per details given in annexure to form No. 37-G, bearing No. 4565, situated at Railway Station Road, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 29,000/-.

VIJAY BHARGAVA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Date : 23-4-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 23rd April 1976

Ref. No. 894-A/Acq./Saharanpur/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 4-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (1 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sunita Devi, w/o Dr. Ram Kumar Sanghal, d/o Late Shri Devendra Kumar, r/o Chilkana, Post-Khas, argana-Sultanpur, Teh. Nakood, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

- (2) Messrs Kapoor Engineering Works, Railway Road, Saharanpur, through Shri Ranveer Kumar Kapoor s/o Lala Jagdish Ram Kapoor, Partner of the Firm r/o Gill Colony, Saharanpur.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of shop and land as per details given in column No. 3 of Form No. 37-G bearing No. 4570, situated at Railway Station Road, Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 10,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 23-4-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. I. Alta Devi, widow of Late Shri Devendra Kumar, r/o Ansari Road, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Messers Kapoor Engineering Works, Railway Road, Saharanpur, through Ranveer Kumar Kapoor s/o Lala Jagdish Ram Kapoor, partner of the Firm r/o Gill Colony, Saharanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd April 1976

Ref. No. 895-A/Acq./Saharanpur/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Saharanpur on 4-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent to such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of shop and land as per details given in column No. 3 of Form No. 37-G bearing No. 4571, situated at Railway Station Road, Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 10,000/-.

VIJAY BHARGAVA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 23-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jayalakshmi Housing Society, 64, Shantinagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. S/Shri Goli Eswariah, 2. G. Venkatalaxmi, 3. G. Ramesh, 4. G. Naivda Kishore, 5. G. Sivakumar, all residing at Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC. No. 57/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-181 to 200 situated at Boosareddyguda, Secunderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 15-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Land and building measuring 10132 sq. yds. M. No. 3-6-181 to 3-6-200 at Boosareddyguda, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 24-4-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC. No. 58/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-338 to 341 situated at Gunfoundry, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on 29-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

21—86GI/76

(1) 1. Smt. Zahira Begum w/o Late Mohd. Nasiru, 2. Smt. Sirajunnisa Begum, 3. Sri Hussain Bin Nasir, 4. Smt. Sayeeda Begum, 5. Sri Haji Mohd. Mohsin Bin Nasir, 6. Sri Ali Bin Nasir, 7. Sri Hasan Bin Nasir, 8. Miss Aisha Begum, 9. Mohd. Bin Nasir, 10. Ahmed Bin Nasir, guardian, Smt. Sirajunnisa Begum, being minor. All residing at King Koti, and Barkas, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Iftikhar Mehdi Khan, s/o Nisar Mehdi Khan, H. No. 3-6-782 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXIA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: House bearing No. 5-9-338 to 341 measuring about 220 sq. yds. at Gunfoundry, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 24-4-1976

Seal;

FORM ITNS—

- (1) Baptist Church, Pvt. Ltd. 1. L. F. Kroll s/o Joseph, H. H. M. Knoll New Avadi Road, Killpank, Madras-10, 2. P. Sadanandam, s/o P. Abraham, r/o Sarojini Devi Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC. No. 59/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/351/A situated at Subedarpet, Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 15-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) 1. Merala Narasimha Rao, 2. Yerlagadaveera Venkata-Prabhakara Rao, 3. Chellagalla Veera Rajya Lakshmi, w/o C. V. Rao, Velangi, village, East-Godawari-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Ward No. 7 Door No. 351-A in 758 Ankanams at Subedarpet, Nellore. Area 262 sq. Mts.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 24-4-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Faizunnisa Begum, w/o Khaja Nasrullah,
H. No. 3-6-106/1, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Hussamuddin, 2. Smt. Sagora Begum, H. No.
5-3-844 at Malakunta, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC. No. 60/76-77.—Whereas, I, K. S.
VENKATARAMAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

No. 3-6-106/1 situated at Himayatnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Hyderabad on 13-9-75

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value
of the aforesaid property exceeds the apparent consi-
deration therefor by more than fifteen percent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—(a) by any of the aforesaid persons within the period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said
Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).Property : House No. 3-6-106/1 at Himayatnagar, Hydera-
bad.K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the
following persons, namely :—Date : 24-4-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dinanth Modi s/o Sri Hanumandas Modi,
H. No. 21-2-624 Urdu Sharif, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Surya Prakash Rathi s/o Late Ramgopal Rathi,
H. No. 20-2-104, Old Kabutar Khana, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC. No. 61/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2 situated at Bashubagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15.9.75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Vacant land measuring 500 sq. yds. Plot No. 2 under Layout sanction No. 38 Book, No. II, dt. 9-5-73 in file No. 30/31 1-B-63 of the Municipal Corporation Hyderabad at Bashiir Bagh, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 24th April 1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Bai Mai D-Italia, H. No. 1-2-7 r/o Parsigallim
Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC. No. 62/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-2-7 & 1-2-7/1 situated at ground floor, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 3-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. K. Kameshwaramma, r/o Vellareddyguda,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 1-2-7 and 1-2-7/1 ground floor
Parmod Colony, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 24-4-1976.

Seal :

FORM I.T.N.S. ———

(1) Shri Baimai, D. Italia, Parsigalli, at Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri U. Vasudevasarma and P. Ahalya Alias U. Radhika, H. No. 1-2-7/3 at Banoo Colony, Gaganmahal Road, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 24th April 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 63/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-2-7 & 1-2-7/1 situated at Gunfoundry, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 3-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property : All that piece and parcel of premises M. No. 1-2-7 first floor and 1st floor 1-2-7/1 area 200 sq. yds. and 1st floor area 390 sq. yds. Banoo Colony Gaganmahal Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 24-4-1976.

Seal :

FORM ITNS

The list of tenants of Premises No. P-12, C.I.T. Scheme 'L'

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 3rd April 1976

Ref. No. AC-235/R-IV/Cal/76-77.—Whereas, I, A. K. BATABYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. P-12, situated at C.I.T. Scheme 'L', Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 1-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sm. Panna Devi,

(Transferor)

(2) M/s Baiju Chowk Properties,

(Transferee)

- (3) 1. Janata Jalpan. 2. Nandlal & Bros. 3. Sm. Indira Devi. 4. Kanhyalal Dugar. 5. Debnath Sen. 6. Kalpataru Colour Co. 7. Janu Bhai & Kesoru Rae. 8. Sunderlal Maheswari. 9. Padam Chand Rampuria. 10. Premkumar Omprokash. 11. N. G. Roy & Sons. 12. Mohonlal Kocher. 13. Shyamsundar Saha. 14. Hazarilal Agarwalla. 15. Sachuram Agarwalla. 16. Oswal Watch Co. 17. Radha Krishna Gupta. 18. Radha Krishna Gupta. 19. Pawn Cloth Store. 20. Biswa Nath Agarwalla. 21. Janata Tailor. 22. Sekar Chand Jain. 23. Bhowarlal Tularam. 24. Bolai Lal Sharma. 25. Sankar Bilas Shaw. 26. Ashraf Ali Mullick. 27. Lakshmi Narayan Store. 28. Madan Mohan Saha. 29. Hanumandas Agarwalla. 30. Gopi Chand Agarwalla. 31. B. R. Gupta. 32. Hari Singh Jain. 33. Ram Sagore Shaw. 34. Abdul Hannan Thander. 35. Sujaudhin & Anr. 36. Hari Kissen Gupta. 37. Joy Bhagwan Gupta. 38. Narayandas Chandak. 39. Prithichand Narendrakumar. 40 J. R. Lohotia. 41. Dalchand Buchwat. 42. Biswanath Chowdhury. 43. Biswanath Chowdhury. 44. New Bharat Lakshmi Hosiery. 45. Sk. Wazed Ali & Bros. 46. Jainal Abedin & Ors. 47. Baleswar Shaw & Jogeswar Shaw. 48. M/s. Shanti Kumar Kothari. 49. Suvendu Kundu. 50. Hanumandas Mundra.
(Person in occupation of the property)

(4) M/s Motilal Kanoria & Surendra Kumar Kanoria.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that one storied brick built building at premises No. P. 12 C.I.T. Scheme 'L', Calcutta, together with revenue free land thereunto containing an area of eight chottas fifteen chittacks and five sq. ft.

A. K. BATABYAL,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Income-tax Acquisition Range-IV,

Calcutta

Date : 3-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 15th May 1976

Ref. No. IX/1/16(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18, situated at Thathamuthiappan Street/82, Nattu Pillar Koil Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 6596/75) on September 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri T. K. Thandavakrishnan,
1/A, 4th Trust Cross St.,
Mandavelipakkam, Madras-28.

(Transferor)

- (2) Smt. M. Kamalakshi Bai,
W/o Shri M. B. Rama Rau,
19, Akbarabad 2nd Street,
Kodambakkam, Madras-24.

(Transferee)

- (3) 1. V. A. Shanmugam, 2. Ponniah, 3. Sulekha Bivi, 4. Sangu Mohamed, 5. Kannan Tea Shop, 6. Chandrasekharan, 7. Velu Naicker, 8. Rajagopal Chetty, 9. Kannappa Achari, 10. Mancika Thevar, 11. Sriramulu Chetty, 12. Kannan Coffee, 13. Prabhkar Rao and two others.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground and 1859 sq. ft. with building thereon at door No. 18, Thathamuthiappan Street/82, Nattu Pillar Koil Street, Madras-1 (Survey No. 6743).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 15-5-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Mohan Kahar, 2. Sitaram Kahar of Noapukhri, Tinsukia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Krishna Kumar Roy, Chamber Road (Near Barabazar) Tinsukia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 27th February 1976

Ref. No. A-123/TSK/75-76/4229-36.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Plot of land measuring about 2k. 1-3/4L bearing periodic patta No. 12 (old), 408 (old)/1109 (New) Dag No. 2100 (old)/4752 (new) at Noapukhri Tinsukia Mouza, situated at Tinsukia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tinsukia on 15th Sept. 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot of land measuring about 2k. 1-3/4L bearing periodic patta No. 12 (old), 408 (old)/1109 (New) Dag No. 2100 (old)/4752 (new) at Noapukhri Tinsukia Mouza.

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (C.A.)
Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
22—86G1/76

Date : 27-2-76,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY-2

Bombay, the 14th May 1976

Ref. No. AR-II/2054/3953/75-76.—Whereas, I, M. J. MATHAN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.T.S. Nos. H/387, 391, Final Plot No. 6, T.P.S. No. 4 situated at Danda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value if the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Mangalagauri Narmdashankar Raval, Smt. Kundangauri Ichhashankar Vyas, Shri Ramesh R. Raval, Shri Mahendra R. Raval, Shri Rajendra R. Raval.

(Transferor)

- (2) Shri Ambalal Maganlal Patel & Jayantilal Maganlal Biscuitwala,

(Transferee)

- (3) (1) Bharatkumar, A. Jam, (2) M. Y. Wakherkar (3) Chhabildas Chhotalal Patel, (4) Mohanlal B. Chitroda, (5) Pragibhai B. Chitroda, (6) Smt. Padmaben C. Shah, (7) Kantilal N. Shah, (8) Jayantilal M. Shah, (9) Premjibhai Shah, (10) Kantilal M. Shah, (11) Jasvantlal N. Shah, (12) Ravishankar J. Joshi, (13) Pravinchandra B. Desai, (14) Rajnikant M. Parikh, (15) Smt. Bhanuben A. Thosani, (16) Jayantilal M. Dhupolia, (17) Bhogilal D. Shah, (18) Smt. K. B. Dhabuwal, (19) Chimanlal D. Shah, (20) Kantilal C. Mehta, (21) Chhabildas Chhotalal Patel, (22) J. M. Sampat, (23) Kodarlal D. Vyas, (24) Chimanlal D. Amin, (25) Upendra Ambalal Kaka, (26) Kashibhai Kallidas Patel, (27) Jayantilal M. Shah, (28) Dhirajlal M. Gaglani, (29) Revashankar P. Joshi, (30) Harishanker P. Pandya.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL those several pieces or parcels of land or ground together with the messuages tenements or dwelling houses standing therein with all the trees wells fences etc. situate at Saja Danda (Santacruz) Taluka Andheri in the Registration Sub-District and District at Bombay city and Bombay Suburban bearing C.T.S. Bandra bearing Nos. H/387 to 389 and being final Plot No. 5 (Original Plot No. 82) or T.P.S. No. 4 Santacruz admeasuring 3192 square yards i.e. 2669 sq. meters or thereabouts and bounded on the east and North by private passate on the South by the property known as Maheshwar Villa and on the West by Swami Vivekanand Road on or towards by North by Chapell Road and on or towards the East by a Road.

M. J. MATHAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Bombay.

Date: 14th May 1976

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II.

SMT. K.G.M.P. AYURVED HOSPITAL BUILDING,
NEAR CHARNI ROAD STATION,
BOMBAY

Bombay-2, the 15th May 1976

Ref. No. AR-II/2060/4049/75-76.—Whereas, I. M. J. MATHAN, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 9, S. No. 287(pt.), City S. No. 159 I. Dev. Scheme situated at Vile Parle (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bandra on 29-9-1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Ramanlal Girdharilal Shah
2. Shri Ramesh Ramanlal Shah
3. Upendra Ramanlal Shah.
(Transferor)
- (2) Shri Harish Jayantibhai Patel.
(Transferee)
- (3) 1. Shri Manubhai Mehta
2. Shri Harshadbhai T. Shah
3. Shri Girdharlal Gandhi
4. Shri Ashokbhai M. Patel
5. Shri Dhirajlal Mehta.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that leasehold piece and parcel of land or ground situate on the North South Road No. 4 at Vile Parle in Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban containing by admeasurement 534 square yards equivalent to 448.50 square metres or thereabouts and bearing Plot No. 9 of Vallabh Nagar Co-operative Housing Society Limited and Registered in the books of the Collector of Land Revenue under Survey No. 287 (part) City Survey No. 159 of Juhu Development Scheme, Vile Parle and assessed by the assigner and Collector of Municipal Rates and Taxes of the Municipal Corporation of Greater Bombay under 'K' Ward No. 8186 (9) Street No. 24, Juhu Vile Parle, Plot No. 9 and bounded as follows that is to say :—

- On or towards the East by 40' Road of Vallabh Nagar Co-operative Housing Society Limited.
- On or towards the West by Plot No. 8 of the Vallabh Nagar Co-operative Housing Society Limited.
- On or towards the North by 60' Road of Vallabh Nagar Co-operative Housing Society Limited.
- On or towards the South by Plot No. 10 of Vallabh Nagar Co-operative Housing Society Limited.

M. J. MATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 15th May 1976

Seal :

FORM ITNS-----

(1) M/s. Esso Eastern Incorporated.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sushila K. Vijan and
Trilok Kumar K. Vijan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
SMT. K.G.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING,
NEAR CHARNI ROAD STATION
BOMBAY-400 002

Bombay-400002, the 11th May 1976

Ref. No. ARI/1315-7/Sep.75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CS, 1970 of Mahim Division situated at Mahim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-9-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land situate lying and being at Lady Jamshedji Road, Bombay, Plot No. 630 of Town Planning Scheme-III, Mahim, bearing Collector's New Survey No. 23-25 (Part) C.S. 1970 of Mahim Division containing by admeasurement 574 sq. metres equivalent to 687 sq. yds. or thereabouts and assessed by Bombay Municipal Corporation under G. Ward No. 4945 Street No. 273 Lady Jamshedji Road and bounded as follows:—

- On or towards the East by Plot No. 629 of TPS-III Mahim.
- On or towards the West by Plot No. 632 of TPS-III Mahim.
- On or towards the North by 50' Road off Lady Jamshedji Road
- On or towards the South by Plot No. 635 of TPS-III Mahim.

V. R. AMIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 11-5-1976.

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Ghosalal D. Agarwal alias Goyal.
2. Prabhatilal R. Agrawal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
SMT. K.G.D.M.P. AYURVED HOSPITAL BUILDING,
NETAJI SUBHASH ROAD BOMBAY-400002

- (2) Shri 1. Pethe M. G.
2. Bhagwandas H. Shah
3. Nitinkumar B. Shah.

(Transferee)

- (3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bombay-400002, the 15th May 1976

Ref. No. ARI/1355-33/Sep.75.—Whereas I. V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of IncomeTax, Acquisition Range-I, Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CS. 48 of Girgaum Division situated at Queen's Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) in the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece of land situate on the East side of Queens Road within the City and Registration District and sub-district of Bombay containing by admeasurement 211.85 sq. yds. approximately 178 sq. mts. or thereabouts and bounded as follows : That is to say on or towards the NORTH EAST by the property of Moroba Dhanji Rawoot and other bearing Cadastral Survey No. 49, on or towards the NORTH EAST by the Government passage on or towards the SOUTH EAST by the property in occupation of the Trustees of the Byramjee Jeejeebhoy Parsi Charitable Institution and on or towards the SOUTH WEST by the Government land beyond which is Queens Road and which said piece of land is registered in the books of the Collector of Bombay under No. 8351 in the Collector's rent Roll and bears Cadastral Survey No. 48 of the Girgaum Division together with the buildings and structures executed thereon and assessed by the Collector of Municipal Rates and Taxes under Ward No. 14(D) Ward No. 1466(2) Street No. 31-31A Queens Road, (house with shops Automobile Buildings).

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 15-5-1976

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,SMT. K.G.M.P. AYURVED HOSPITAL BUILDING,
NETAJI SUBHASH ROAD, CHARNI ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400002. the 3rd May 1976

Ref No. AR/III/855/Sep.75.—Whereas, I, Shri R. G. NERURKAR, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. AI(part) situated at Kandivli village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar's Office, Bombay on 18-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Mrs. Lalitaben L. Lokhandwalla
2. Mrs. Asha B. Shah
3. Shri Harish L. Lokhandwalla
4. Shri Manish L. Lokhandwalla
5. Shri Chetan L. Lokhandwalla,
'Mahavir' 3rd floor, Ridge Road, Bombay-6.
(Transferor)

- (2) M/s. Kishore Builders Pvt. Ltd.
216, Commerce House, 2nd Floor,
40, Meadows Street, Fort,
Bombay.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the, said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground, admeasuring 1,786 sq. yds. i.e. 1,482.38 sq. meters or thereabouts and on being Plot No. AI (part) Dahanukar Wadi, Kandivir Village, in the Registration District and Sub-Dist. of Bombay City and Bombay Suburban and bearing "R" Ward No. 2281(2) Street No. AI, Datta Mandir Road, Dhanukar Wadi, Kandivli and bounded on the North by Plot No. A-1 (part) on the West by Survey No. 87 on the East by Ratta Mandir Road, and on the South by Plot No. A-2.

R. G. NERURKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 3-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING,
5TH FLOOR, NEAR CHARNI ROAD STATION
BOMBAY-400 002

Bombay-400002, the 1st May 1976

Ref. No. AR-II/2044/3841/75-76.—Whereas, I, M. J. MATHAN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 13, T.P.S. II situated at Juhu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

- (1) Smt. Vasumati Babalchand Keshavlal Mody.
(Transferor)
- (2) Shri Vijay Subh Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd.
(Transferee)
- (3) 1. Shri Manohar Lall Azad
2. Shri Kaushal Bharati
3. Shri Ram Singh Gulati
4. Smt. Jasbir Kaur
5. Shri Joginder Singh Anand
6. Shri Rajender Pal Singh Chawla
7. Shri Kantilal Narain Dass Devnani
8. Shri Madan Lal Gupta
9. Kumari Maxi Pinto
10. Kumari Kasturi Puthran
11. Shri Mehtab Singh Khooshal Singh Gulati Garage
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground together with the building constructed thereon situate lying and being at Juhu in the registration District and Sub-District of City of Bombay and Bombay Suburban containing by admeasurement 613 sq. yds. or thereabouts i.e. 512.468 sq. mts. or thereabouts and being the North and portion of Plot No. 13 of the Town Planning Scheme No. II of Santacruz and which piece or parcel of land is bounded as follows :—that is to say on or —towards the South by the other part of the said Plot No. 13 one or towards the East by the Khajan Land and on or towards the West by the 25 feet wide road of the said Scheme. The property bears C.T.S. No. 1013.

M. J. MATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 1st May 1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. D.L.F. United Limited,
40-F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD,

NEW-DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 17th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SE.III/Sept./ (13)938/75-76.—

Whereas, I, S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing B-260, situated at Greater Kailash-I New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 5th September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) 1. Shri Mohd. Yusaf (Minor),
2. Shri Mohd. Iqbal (Minor)
sons of Ghulam Mohuddin Tramboo
through their father and Natural Guardian
Shri Ghulam Mohuddin Tramboo
i. Smt. Posha Begum w/o
Ghulam Mohuddin Tramboo
All r/o No. 6, Raj Bagh,
Srinagar (Kashmir)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-260, measuring 314 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi situated at Village Vaqutpur, in the Union Territory of Delhi and is bounded as under :—

North : Road
South : Service Lane
East : Plot No. B-260A, Greater Kailash-I
West : Road

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-5-1976

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Vidya Sagar,
2. Shri Prem Sagar Nigam S/o Late Sitaram,
R/o 109/404A and B, Nehru Nagar,
Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Harbhajan Singh son of Sardar Sundar Singh
R/o 118/10, Kaushalpur, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 13th April 1976

Ref. No. 392/Acq/Kanpur/75-76/83—Whereas, I,
VIJAY BHARGAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Kanpur on 5-8-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House No. 110/131,
Ram Krishan Nagar Kanpur constructed on Plot No. 76,
measuring 356 sq yds. transferred for an apparent consi-
deration of Rs. 40000/-.

VIJAY BHARGAVA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Kanpur.

Date : 13-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Tej Ram S/o Shri Jai Narain,
R/o Mohalla Sohan Lal,
Ghaziabad. Distt. Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Hari Chand,
2. Shri Shrichand,
Both sons of Lala Babu Ram,
R/o 28, Chandrapuri,
Ghaziabad, Distt. Meerut.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 13th April 1976

Ref. No. 898/Acq/G.Bad/75-76/88. —Whereas, I,
VIJAY BHARGAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ghaziabad on 21-8-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning is given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer; and/

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot Nos. 21 and 22,
measuring 400 sq. yds. situated at Chandrapuri, Ghaziabad,
transferred for an apparent consideration of Rs. 30000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 13-4-1976

Seal :

INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING AND
MANAGEMENT

(EXAMINATION WING)

NOTICE

GRADE III STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1976.

New Delhi, the 29th May 1976

No. 13/1/76-ARRNG.—Examinations Wing of Institute of Secretariat Training and Management, New Delhi, will hold on 28th December, 1976, at AGARTALA, AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DARJEELING, DELHI, GAUHATI (DISPUR), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, RAIPUR, RANCHI, TRIVANDRUM, UDAIPUR and at selected INDIAN MISSIONS ABROAD, the Grade III Stenographers' Examination, 1976, for recruitment to temporary vacancies in different services/posts under Government of India.

2. *Conditions of eligibility :*

(a) *Age Limits :* Candidates must be between 18-25 years of age on 1st January, 1976. Upper age limit relaxable for SC/ST, Ex-Servicemen and certain other specified categories.

(b) *Qualifications :* Matriculation or equivalent.

3. Pay Scale (Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560).

4. Fee : Rs. 12/- (Rs. 3/- for SC/ST).

5. Full particulars and application forms obtainable from Deputy Director (EW), Institute of Secretariat Training and Management, West Block No. 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, by remitting Re. 1/- (Rs. 2/- if application form is desired to be despatched by Registered Post) by means of crossed Indian Postal Orders payable to the Institute of Secretariat Training and Management, New Delhi, along-with three slips showing their name and postal address in block letters, or on cash payment at the Institute's office.

6. Completed application forms must reach the Institute by 21st July, 1976 (4th August, 1976 for candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep). Applications received after that date will not be entertained.

MADAN LAL, Director (Examinations)